RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

वर्ष- 13, अंक - 177 | भिलाई, शुक्रवार 15 अप्रैल 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

मिशन-2023: सांसद-विधायक खोजेंगे अपने क्षेत्र के कमजोर बूथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 2023 में होने वाले विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर भारतीय जनता पार्टी ने प्लान तैयार किया है। सांसदों और विधायकों को अपने क्षेत्र के कमजोर बूथों को चिन्हित करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। पार्टी की रणनीति कमजोर बूथों को मजबूत करने पर जोर देना है। कुशाभाऊ ठाकरे कार्य विस्तार योजना के तहत हर बूथ तक व मतदान केंद्रों तक पहुंचकर संगठन को मजबूत करना है।

छत्तीसगढ़ में मिशन 20023 की शुरुआत हो चुकी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जहां 2 मई से प्रदेश के 90 विधानसभा का दौरा कर रहे हैं। वहीं मोदी सरकार के 9 केंद्रीय मंत्रियों का अप्रैल में छत्तीसगढ़ में दौरा कार्यक्रम है। आकांक्षी जिलों में मोदी सरकार की योजनाओं की समीक्षा के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं को रिचार्ज करेंगे। गुरुवार को भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश और प्रदेश प्रभारी डी पुरंदेश्वरी गुरुवार भी एक दिवसीय दौरे पर आई थीं। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों में सक्रियता बढ़ गई है। इधर आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। बिलासपुर में रोड-शो का कार्यक्रम है।

बूथ में जाकर करेंगे 10 दिन काम

भाजपा के नेता अगले महीने 5 से 15 मई तक बूथों में जाएंगे। भाजपाई 10 दिनों में 100 घंटे का समयदान कर पार्टी के लिए काम करेंगे। इसमें भाजपा के बूथ विस्तारक और प्रत्येक कार्यकर्ता शामिल होंगे। भाजपा नेता प्रदेश के 90 विधानसभा क्षेत्र के 23 हजार 632 मतदान केंद्रों तक जाएंगे और हर बूथ को डिजिटल सक्षम बनाने के लिए कार्य करेंगे। लोगों से सीधे बातचीत करके केंद्र सरकार की योजनाओं को बताएंगे। बुधवार को राजधानी पहुंचे राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिव प्रकाश और प्रदेश प्रभारी डी पुरंदेश्वरी ने पार्टी के चुनिंदा नेताओं को कार्य विस्तार की जानकारी दी।

भाजयुमो तैयार करेगी डिजिटल आर्मी

भाजयुमो राज्य में डिजिटल आर्मी तैयार करेगी। शक्ति केंद्रों के लिए भेजे जाने वाले भाजपा के विस्तारकों के साथ भाजयुमो के साइबर विस्तारक भी रहेंगे। हर बूथ स्तर पर वाट्सएप ग्रुप बनाएंगे और लोगों को जोड़ेंगे। प्रदेश प्रभारी पुरंदेश्वरी ने कहा कि कार्यकर्ता पूरे उत्साह से खैरागढ़ उपचुनाव में लड़े। यही वजह है कि 3-3 किलोमीटर पर सीएम भूपेश बघेल को सभा करनी पड़ी। पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने कहा कि प्रदेश कार्यालय में कुशाभाऊ ठाकरे जन्म शताब्दी वर्ष कार्य विस्तार योजना की एक दिवसीय कार्यशाला में शामिल हुआ। वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में संगठन को लेकर चर्चा हुई है।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर राज्यों को वैट घटाना चाहिए-हरदीप सिंह पुरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। ईंधन के बढ़ते दामों के बीच केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार राज्यों से अपील कर रही है कि वह उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए पेट्रोल और डीजल पर वैट में कमी करें। पुरी केंद्र की एक योजना के तहत आकांक्षी जिला घोषित किए गए छत्तीसगढ़ महासमुंद आए हुए थे। वह यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर मनाए जा रहे देशव्यापी 'सामाजिक न्याय पखवाड़ा' समारोह के हिस्से के तौर पर विभिन्न सरकारी योजनाओं का जायदा लेने के लिए आए थे।

पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के सवाल पर केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि हम इस बात के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि कीमतें नियंत्रण में रहें। इसीलिए केंद्र सरकार ने पिछले साल पेट्रोल और डीजल पर से एक्साइज ड्यूटी में कमी कर दी थी। हमने राज्यों से भी ऐसा ही करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा, 'छत्तीसगढ़ में पेट्रोल और डीजल पर वैट 24 फीसदी है। अगर इसको घटाकर 10 फीसदी कर दिया जाए तो कीमतें अपने आप कम होंगी और मांग बढ़ेगी। हालांकि, 10 फीसदी वैट भी बहुत अधिक है।'

भाजपा की सरकार वाले सभी राज्यों ने कम किया है वैट: पुरी

पुरी ने कहा कि देश के सभी भाजपा शासित राज्यों में पेट्रोल और डीजल पर वैट कम कर दिया गया है। महासमुंद यात्रा को लेकर उन्होंने कहा कि मैंने आज दिन में पटेवा गांव में पीएचसी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) का दौरा किया था। वहां आयुष्मान भारत योजना को लागू करने के लिए व्यवस्थाओं को देखकर मैं संतुष्ट हूं। इसके अलावा उन्होंने महासमुंद मेडिकल कॉलेज का भी दौरा किया। यहां से वह जिला पंचायत कार्यालय गए और आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत किए जा रहे काम की समीक्षा करने के लिए बैठक की।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पुरी की यात्रा को राजनीतिक बताया

इससे पहले यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में केंद्रीय मंत्री के काफिले को काले झंडे दिखाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया। उधर, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पुरी की इस यात्रा को राजनीति से प्रेरित बताया है। उन्होंने राज्य के बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद की समस्या से प्रभावित जिलों को दिए जाने वाले विशेष फंड पर रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना भी की। बघेल ने कहा कि केंद्र सरकार आकांक्षी जिलों के लिए कोई अतिरिक्त फंड नहीं दे रही है।

खास-खबर

नक्सलियों की पुल को बम से उड़ाने की कोशिश नाकाम, सीआरपीएफ कोबरा से मुठभेड़

सुकमा। सुकमा में टीसीओसी (टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैंपेन) के दौरान माओवादियों ने एक पुल को बम से उड़ाने की कोशिश की। गुरुवार को इंजरम से भेज्जी जाने वाले रास्ते पर बने पुलिस को ध्वस्त करने की कोशिश की गई। हालांकि पुल पर लगाए गए बम की क्षमता कम होने की वजह से पूल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त नहीं हुआ।

घटना के तत्काल बाद मौके पर सीआरपीएफ 219 और डीआरजी के जवान पहुंच गए, जिसके चलते नक्सली पुल को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा पाए। वहीं पुल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त नहीं होने की वजह से आवागामन में भी कोई खास बाधा नहीं आई और मौके पर बल तैनात कर सुधार कार्य भी शुरू कर दिया गया है। वहीं दूसरी ओर शुक्रवार सुबह तड़के सुकमा जिले के ही किसटारम क्षेत्र के पोटकपल्ली में सीआरपीएफकोबरा 208 बटालियन की गस्त के दौरान माओवादियों से मुठभेड़ हुई है। आधे घंटे तक चली इस मुठभेड़ के बाद नक्सली जंगलों की ओर निकल गए।

मुठभेड़ में शामिल कोबरा के जवान पूरी तरह सुरक्षित हैं और उन्होने मौके से नक्सलियों का सामान भी बरामद किया है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए बस्तर आईजी सुन्दरराज पी ने बताया कि मुठभेड़ के बाद बरामद सामान की जांच की जा रही है, मुठभेड़ के बाद मौके पर सर्चिंग भी बढ़ा दी गई है। बस्तर आईजी के अनुसार नक्सलियों के टीसीओसी के दौरान जवान पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं और यही वजह है कि माओवादियों की दहशत फैलाने की तमाम कोशिशें विफल हो रही हैं।

'आप' की राह पर भाजपाः महिलाओं का बस किराया 50 प्रतिशत माफ, बिजली-पानी भी निशुल्क देगी सरकार

चंबा (एजेंसी)। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने हिमाचल दिवस पर चंबा में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी घोषणाएं की हैं। सीएम ने घोषणा करते हुए कहा कि हिमाचल में महिलाओं से बस किराया 50 प्रतिशत लिया जाएगा। प्रदेश में 125 यूनिट तक निशुल्क घरेलू बिजली की सुविधा दी जाएगी। इससे पहले 60 यूनिट तक निशुल्क घरेलू बिजली की सुविधा दी जा रही थी। ग्रामीण क्षेत्रो में पानी का बिल माफ होगा। सीएम ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में पानी के बिलों से जलशक्ति विभाग को 30 करोड़ की आय होती है। वहीं कहीं न कहीं भाजपा भी आम आदमी पार्टी की राह पर चलती नजर आ रही है।

कुकदा डैम में डूबने से 3 की मौत, रायपुर-धमतरी से 10 लोग पिकनिप मनाने गए थे, सभी एनजीओ के कर्मचारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में बांध में डूबने से 3 लोगों की मौत हो गई। तीनों का शव बरामद कर लिया गया है। एक निजी एनजीओ कंपनी के 10 लोग पिकनिक मनाने पांडुका थाना क्षेत्र के कुकदा डैम में पहुंचे थे। नहाने के दौरान 3 लोग गहराई में चले गए। तीनों को डूबता देख अन्य साथियों ने बचाने के लिए आवाज लगाई, लेकिन मदद नहीं मिली। सूचना पर पुलिस की टीम भी पुहंची। गोताखोरों की मदद से तीनों शवों को पानी से बाहर निकाला गया।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को रायपुर, धमतरी व कांकेर निवासी 10 युवक व युवतियां गरियाबंद जिले के कुकदा डैम पहुंचे थे। सभी एक निजी एनजीओ में काम करते हैं। पिकनिक के दौरान युवक-युवतियां नहाने के लिए बांध में उतर गए। राकेश, लक्ष्य और रीता गहरे पानी में चले गए। तीनों को डूबता देख साथियों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस व जिला प्रशासन की मौजूदगी में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। सबसे पहले युवती को बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस कर रही मामले की जांच

थाना प्रभारी भूषण चंद्रकार ने बताया कि शाम तक दो अन्य युवकों के शव भी बांध से निकाले गए। हादसे में रायपुर निवासी लक्ष्य वर्मा, धमतरी जिले के मगरलोड निवासी रीता कुमारी साहू और कांकेर निवासी राकेश तेता की मौत हो गई है। यह सभी लोग एक एनजीओ में काम करते थे। सूचना मिलने के बाद तत्काल बचाव दल, नगर सेना के कर्मचारी के साथ पुलिस की टीम पहुंची। करीब डेढ़ बजे युवती का शव मिला। शाम तक डूबे दो अन्य युवकों के शवों को बांध से निकाल लिया गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की विवेचना कर रही है।

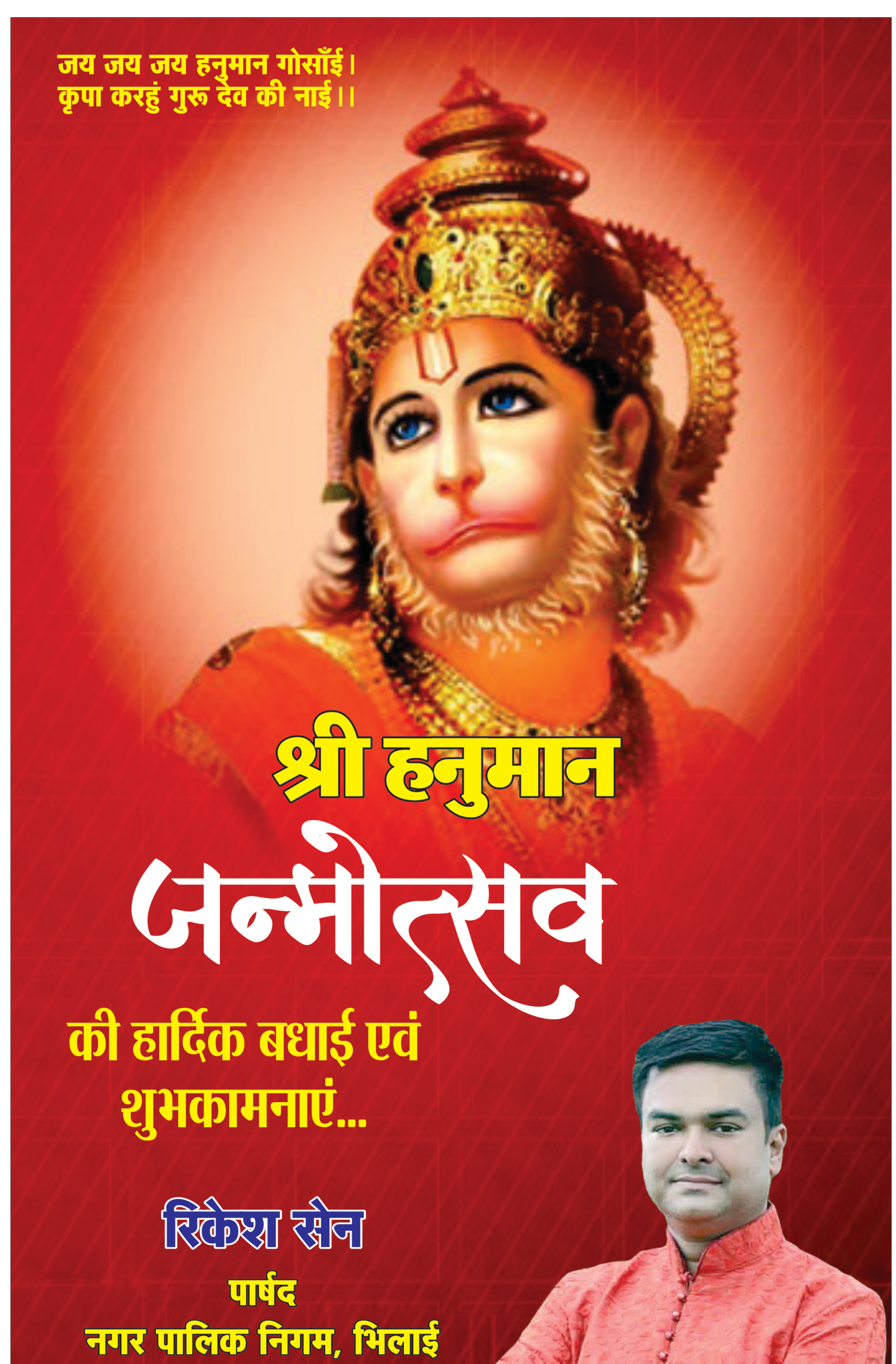

संपादकीय

संक्रमण में फिर वृद्धि

जब कहीं लॉकडाउन नहीं है, जब स्कूल पूरी तरह से खुल गए हैं, तब कोरोना के मामलों का फिर से बढ़ना न केवल दुख, बल्कि चिंता की भी बात है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार को कोविड-19 के 299 नए मामले दर्ज किए गए, मतलब संक्रमण में दो दिनों के भीतर 118 प्रतिशत की छलांग लग चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, कोविड सकारात्मकता दर 2.49 फीसदी पहुंच गई है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की बात करें, तो अनेक स्कूलों को कोरोना संक्रमण के चलते कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा है। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में 15 बच्चों सहित 40 लोग संक्रमित पाए गए हैं। जिले में सक्रिय मामलों की संख्या 121 हो गई है। गौर करने की बात है कि किसी भी स्कूल से शिकायत नहीं मिल रही है, जबकि संदेह की स्थिति में स्कूलों को सतर्क रहना चाहिए। जब बच्चे पांच से छह घंटे स्कूल में रह रहे हों, तब उनके स्वास्थ्य की चिंता स्कूलों को भी करनी चाहिए। बच्चों को यथोचित जांच के बाद ही स्कूलों में प्रवेश देना चाहिए, क्योंकि उनकी बड़ी संख्या टीकाकरण से अभी दूर है। संक्रमण के किसी भी लक्षण के प्रति स्कूलों को पर्याप्त सावधानी बरतने की जरूरत है। नोएडा में बुधवार को नए दिशा-निर्देश जारी हुए हैं और नई दिल्ली में शुक्रवार को जारी होने की संभावना है। बढ़ते मामलों के मद्देनजर स्कूलों से कहा गया है कि वे खांसी, सर्दी, बुखार, दस्त जैसे किसी भी लक्षण के नजर आने पर इलाज के लिए तत्काल सूचित करें। कुछ स्कूल तो फिर से ऑनलाइन पढ़ाई के विकल्प पर विचार कर रहे हैं। वैसे, यह मौसमी बीमारियों का भी समय है। मौसम बदल रहा है, तो बच्चों को परेशानी हो सकती है, अतः जितनी जिम्मेदारी अभिभावकों की है, स्कूलों को भी उतनी ही सावधानी का परिचय देना होगा। लॉकडाउन की अब कोई आशंका नहीं है और गुंजाइश भी नहीं है, अतः स्कूलों को अपने स्तर पर संक्रमण रोकने के हरसंभव उपाय करते हुए परिसर में शैक्षणिक माहौल बनाना होगा। बढ़ते मामलों को सनसनीखेज बनाने के बजाय सावधानी पर ध्यान देना चाहिए, तभी हम किसी चौथी लहर को आने से रोक पाएंगे। यह महामारी कभी भी हमला बोल सकती है और टीकाकरण के बावजूद लोग संक्रमित हो रहे हैं, अतः मास्क, परस्पर दूरी, और हाथ धोते रहने का अभी भी कोई विकल्प नहीं है। अभी यूरोप और एशिया सहित दुनिया के अनेक इलाकों में संक्रमण के मामलों में नाटकीय वृद्धि देखी जा रही है। भारत में भी चौथी लहर की चर्चा होने लगी है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के गणित और सांख्यिकी विभाग के एक अध्ययन में भविष्यवाणी की गई है कि इस साल जून में कोविड-19 की एक और लहर की आशंका है। वैसे आगामी लहर भारत के स्वास्थ्य ढांचे पर दबाव नहीं डालेगी व पिछली लहरों की तुलना में कम घातक होगी। स्वास्थ्य की दृष्टि से कमजोर लोगों को ज्यादा सावधान रहना होगा। विशेषज्ञ डॉक्टर वीके पॉल ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत एक और संभावित लहर के लिए तैयार है। हालांकि, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (सीएमसी) वेल्लोर के ख्यात वायरोलॉजिस्ट डॉक्टर टी जैकब जॉन ने शनिवार को कहा कि जब तक कोई दूसरा वायरस संस्करण नहीं आता, तब तक चौथी लहर की आशंका कम है। आशंका भले ही न्यूनतम हो, लेकिन किसी तरह का खतरा मोल नहीं लेना चाहिए, तैयारी रखनी चाहिए कि अधिकतम संक्रमण का भी हम आसानी से सामना कर सकें।

> “ स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, कोविड सकारात्मकता दर 2.49 फीसदी पहुंच गई है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की बात करें, तो अनेक स्कूलों को कोरोना संक्रमण के चलते कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा है।

ईश्वर क्या चाहता होगा

सृष्टि के आरंभ से ही पृथ्वी के आयामों से परे एक ईश्वरीय सत्ता की हमारी तलाश जारी है। एक ऐसी अलौकिक सत्ता, जिसने इस ब्रह्मांड की रचना की और जो कहीं दूर बैठकर इसका संचालन करता है। जिसको प्रसन्न करके हम इस जीवन में और जीवन के बाद स्वर्ग की तमाम सुख-सुविधाएं हासिल कर सकते हैं। अपने कर्मों से अगर हमने उसे नाराज कर दिया, तो जीते जी हम पर दुखों का पहाड़ तो टूटेगा ही, मृत्यु के बाद उसके बनाए नरक की यातनाएं भी झेलनी होंगी। हजारों वर्षों के चिंतन के बाद भी किसी को ठीक-ठीक पता नहीं कि सृष्टि के इतर ऐसी कोई सत्ता है भी, तो हमसे उसकी क्या अपेक्षाएं रही होंगी? उसने पृथ्वी पर हमारी कोई भूमिका तय की है या अपनी भूमिका यहां हमें खुद ही तय करनी है? अब तक इसके बारे में जितना कुछ कहा और लिखा गया है, वह सब हमने ही कहा और लिखा है, किसी ईश्वर ने नहीं। जिन लोगों ने मान लिया है कि सृष्टि का निर्माता और संचालक एक ईश्वर है, उनमें भी इस बात पर मतैक्य नहीं कि उसके साथ हमारे रिश्ते कैसे होने चाहिए? ईसाई धर्म में ईश्वर से हमारा पिता और पुत्र का रिश्ता जरूर है, मगर यह रिश्ता सीधा नहीं। इस रिश्ते का स्वरूप ईश्वर के पुत्र कहे जाने वाले जीसस तय करते हैं। हिंदुओं में प्रेममार्गी पंथ के अनुयायियों और इस्लाम में सूफियों का ईश्वर से भावनाओं का रिश्ता है। प्रेमी और प्रेमिका का नाता। इन्हें छोड़ दें, तो आमतौर पर सभी धर्मों में ईश्वर से हमारा संबंध स्वामी और दास का ही रहा है। कठोर न्यायाधीश और उसके सामने कठघरे में खड़े अपराधी का। जैसे वह सब कुछ है, और हम कुछ भी नहीं। हमारा रचयिता होने के नाते ईश्वर हमारे पिता जैसा ही कुछ होगा। हम उसके अंश हैं, तो हम कुछ-कुछ उसके जैसे ही होंगे। हमारे उपनिषदों का मूलमंत्र भी यही है कि जो पिंड में है, वही ब्रह्मांड में। जो आत्मा में है, वही परमात्मा में। सोचने की बात है कि हम जिसके अंश हैं, वह अपने ही हिस्से को क्या इस कदर बेचारा, दयनीय और रीढ़विहीन देखना चाहेगा?

-ध्रुव गुप्त

> “ साल1990 की एक बेहद दुखद घटना है। आज से 32 साल पहले बंगाल के बनताला में सामूहिक बलात्कार की घटना हुई थी। कोलकाता शहर से 20 किलोमीटर दूर चिकित्सा विभाग की तीन अधिकारियों के साथ निर्ममता के साथ ज्यादती हुई है।

इस बंगाल पर हमें कितना नाज?

जयंतो घोषाल

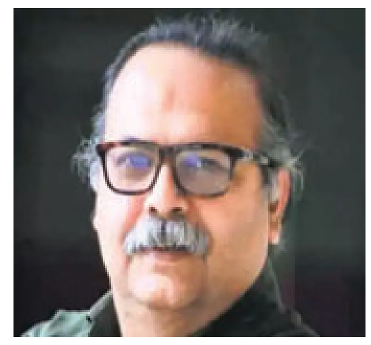

साल 1990 की एक बेहद दुखद घटना है। आज से 32 साल पहले बंगाल के बनताला में सामूहिक बलात्कार की घटना हुई थी। कोलकाता शहर से 20 किलोमीटर दूर चिकित्सा विभाग की तीन अधिकारियों के साथ निर्ममता के साथ ज्यादती हुई थी। एक मेडिकल ऑफिसर अनीता दीवान की तो मौके पर ही हत्या तक कर दी गई थी। 30 मई, शाम साढ़े छह बजे के करीब भीड़ ने हैवानियत को अंजाम दिया था, जिनमें सत्तारूढ़ वामपंथी पार्टी के कार्यकर्ता भी शामिल थे। ज्योति बसु तब मुख्यमंत्री थे। बहुत हंगामा हुआ था और तब ममता बनर्जी प्रतिपक्ष में थीं। इस हिंसा व बलात्कार के विरोध को वह अलग ही स्तर पर ले गई थीं। ज्योति बसु ने प्रतिक्रिया की थी कि 'ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। क्या नहीं होती हैं...गलतियां होती हैं।' उस दौर में भी ऐसी घटनाएं जब होती थीं, तब ज्योति बसु अक्सर बोल देते थे कि बिहार में इससे ज्यादा होता है। एक बार बंगाल में एक मूक-बधिर बच्ची के साथ बलात्कार की घटना हुई थी, तो ममता बनर्जी पीड़िता को लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय रायटर्स बिल्डिंग पहुंच गई थीं। तब मुख्यमंत्री ज्योति बसु ने मिलने से मना कर दिया था और कहा गया था कि बिना समय दिए नहीं मिल सकते। तब ममता बनर्जी के साथ खूब धक्का-मुक्की हुई थी। खूब खबरें छपी थीं और खूब चर्चाएं चली थीं। वाकई, इतिहास निष्ठुर होता है, इतिहास की पुनरावृत्ति होती रहती है। ममता बनर्जी आज मुख्यमंत्री हैं, पश्चिम बंगाल में आज भी बलात्कार होते हैं, लेकिन उनके बयान सुन लीजिए। आज कानून-व्यवस्था की स्थिति और ममता बनर्जी की असंवेदनशीलता के बारे में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी भाजपा के अलावा वाम पार्टियां और कांग्रेस भी खूब शोर मचा रही हैं। दूसरी ओर, आज सत्ता में बैठी तृणमूल कांग्रेस बहुत नाराज है, उसका कहना है कि भारतीय जनता पार्टी ऐसे मामलों में जरूरत से ज्यादा राजनीति कर रही है।

वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा पूरी ताकत के साथ पश्चिम बंगाल में जीतने के इरादे से उतरी थी। फिर भी ममता बनर्जी ने भाजपा को हरा दिया और उसके केंद्रीय नेतृत्व को भी चकित कर दिया। कहा गया कि यह ममता मैजिक है। वह बहुत आक्रामक ढंग से राजनीति करती हैं और भाजपा ने भी बंगाल में यही किया है, लेकिन पूरी ताकत लगाने के बावजूद भाजपा हार गई। ममता बनर्जी अग्रणी नेता बनकर उभर आईं, पर वास्तव में उनकी स्थिति आज कैसी है?

तृणमूल कांग्रेस की पश्चिम बंगाल से बाहर कोई बेहतर स्थिति नहीं है। उसने गोवा और त्रिपुरा में कोशिश की। गोवा में उसके पास कुछ नहीं था, तो कुछ बढ़ा है, लेकिन खास सफलता नहीं मिली। दूसरी ओर, अरविंद केजरीवाल ने तो पंजाब में गजब कर दिया। आज केजरीवाल भी राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के नेता बनना चाहते हैं। लेकिन आज जो बंगाल में दिख रहा है, बंगाल के बारे में सोशल मीडिया में जो चल रहा है, उसमें ममता बनर्जी की लोक-कल्याणकारी राजनीति पीछे जाती हुई लग रही है। आज भी भाजपा अगली लड़ाई जीतने के लिए सक्रिय है। बंगाल ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी भाजपा का जोश कम नहीं हुआ है, जबकि ममता बनर्जी की राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत स्थिति नहीं है। अभी कुछ समय पहले तक सेकुलर, लेफ्ट से जुड़ा नागरिक समाज भी यह सोचने लगा था कि ममता भाजपा को हरा सकती हैं, पर आज क्या स्थिति है?

पत्रकारिता में मुझे 40 साल का अनुभव हो रहा है और 35 साल दिल्ली में रहा हूं। मेरी जड़ें उसी बंगाल में हैं, जो कभी देश की राजधानी हुआ करता था। बॉम्बे को व्यावसायिक राजधानी कहा जाता रहा व कोलकाता को सांस्कृतिक राजधानी। यह चैतन्य महाप्रभु, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, राजा राममोहन का बंगाल है, महाकवि टैगोर का बंगाल है, जो पूरे देश को गर्व की अनुभूति देता है। यह आज भी कमोबेश भारत की सांस्कृतिक राजधानी है। एक समय सांस्कृतिक संवेदनशीलता सबसे ज्यादा बंगाल में बताई जाती थी। नागरिक समाज में बंगाल की हमेशा से काफी कद्र रही है। पर अब बंगाल के बारे में जो धारणा बन रही है, मैं दुखी हूं। बंगाल के सम्मान की हमें रक्षा करनी है।

जब लालकृष्ण आडवाणी उप-प्रधानमंत्री थे, कमल पांडेय गृह सचिव हुआ करते थे। तब विज्ञान भवन में डीजी, आईजी सम्मेलन हुआ था। उसमें पेश रिपोर्ट के अनुसार, बंगाल में सांप्रदायिक और जातिगत हिंसा कम है, लेकिन राजनीतिक हिंसा सबसे ज्यादा है। उसके बाद कांग्रेस के समय सुशील कुमार शिंदे जब गृह मंत्री बने, तब भी आईजी-डीजी सम्मेलन में आईबी ने रिपोर्ट पेश की थी और उसमें भी बंगाल में सबसे ज्यादा राजनीतिक हिंसा देखी गई थी। वहां आज भी राजनीतिक हिंसा की परंपरा कायम है। अब तो यह बहस होने लगी है कि क्या बंगाली डीएनए में हिंसा है? हम देख रहे हैं कि सत्ता में ममता बनर्जी के दस साल पूरे हो चुके हैं। क्या राजधर्म के तहत एक नेता की कोई जम्मेदारी नहीं बनती? प्रतिपक्ष का काम है मुद्दे उठाना, पर सत्ता पक्ष का काम है, जिम्मेदारी उठाकर समाधान तलाशना।

जो कुछ हो रहा है, पश्चिम बंगाल के लिए अच्छा नहीं है। वहां हम हर स्तर पर अप्रिय संघर्ष देख रहे हैं। पूरे देश में बंगाल चर्चा का विषय बना हुआ है। सोशल मीडिया पर खूब चर्चा है। एक समय इतना मीडिया नहीं था, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नहीं था, आज हर पल ब्रेकिंग न्यूज है। ब्रेकिंग न्यूज से धारणा बनती है और राजनीति भी संचालित होती है। बंगाल में हताशा बढ़ रही है। आज नौकरी चाहिए, आगे बढ़ने का अवसर चाहिए। नई पीढ़ी शिक्षा को लेकर आगे बढ़ना चाहती है, बंगाल का नाम रोशन करना चाहती है। अतः फैल रही नकारात्मकता का उपचार बंगाल में ममता बनर्जी को ही करना होगा। ममता बनर्जी को राजनीति में कतई कम नहीं आंका जा सकता। अभी लोकसभा चुनाव में दो साल बाकी हैं, राजनीति क्या करवट लेगी कहना कठिन है। उनका खेल अभी खत्म नहीं हुआ है। अभी तो खूब राजनीति होगी, चुनाव आएगा, पर अभी बलात्कार और हिंसा से बंगाल की जो छवि बिगड़ रही है, जो चुनौती पेश हो रही है, बहुत दुख की बात है। हर बंगालवासी को इससे मुकाबला करना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

गांवों में शहरों जैसे अवसर पैदा करने की कवायद

अरविंद कुमार, कुलपति और कृषि विशेषज्ञ

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय गांवों को सशक्त बनाने वाले राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान को न सिर्फ2025-26 तक बढ़ाने की अनुमति दी है, बल्कि इस पर 5,911 करोड़ रुपये खर्च करने की बात भी कही है। चूंकि यह केंद्र प्रायोजित योजना है, इसलिए इस खर्च में 3,700 करोड़ रुपये केंद्र वहन करेगा, जबकि 2,211 करोड़ रुपये जुटाने की जिम्मेदारी राज्यों की होगी। माना जा रहा है, इससे पंचायतों को प्रोत्साहन मिलेगा और वे अधिक प्रभावी रूप से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकेंगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान को पहली बार साल 2018 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूर किया था। तब इसे 2022-23 तक चलाने की बात कही गई थी। मगर अब ग्रामीण निकायों को मजबूत बनाने में इसकी उपयोगिता को देखते हुए इसे आगे बढ़ाने का फैसला किया गया है। इस अभियान का मुख्य मकसद लोगों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना और शासन के स्तर को सुधारना है, ताकि संयुक्त राष्ट्र द्वारा तय 17 टिकाऊ विकास लक्ष्य हासिल किए जा सकें। इन विकास लक्ष्यों में शामिल हैं, गरीबी उन्मूलन, बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य, उचित पोषण, अच्छी शिक्षा, साफ-सफाई, स्वच्छ जल की उपलब्धता आदि। राज्य सरकारों की मदद से केंद्र इन लक्ष्यों को संसाधनों के अधिकतम इस्तेमाल से हासिल करना चाहता है। ये ऐसे लक्ष्य हैं, जो गांवों के सशक्तीकरण और ग्रामीण आबादी को आजीविका उपलब्ध कराने के लिए भी जरूरी हैं। इस अभियान के तहत उन योजनाओं की पड़ताल भी की जाती है, जो पिछले कुछ वर्षों में वंचित तबकों की बेहतरी के लिए शुरू की गई हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, सौभाग्य, उजाला योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और मिशन इंद्रधनुष जैसी योजनाओं के बारे में फीडबैक लेने और इनको लागू करने में मदद करने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के कंधों पर ही है। अच्छी बात है कि साल 2020 में ई-ग्राम स्वराज पोर्टल लॉन्च किया गया और ई-ग्राम स्वराज एप भी जारी किए गए। चूंकि अब पंचायतों में होने वाले विकास-कार्यों की जानकारी इंटरनेट पर उपलब्ध रहने लगी है, इसलिए ग्रामीण स्तर पर काम-काज में काफी पारदर्शिता आई है। लाभार्थियों के अनुकूल वेब पोर्टल विकसित किए जाने से सरकारी योजनाओं के प्रति उनकी समझ भी बेहतर बनी है। ऐसे में, यह उचित था कि देश भर की तकरीबन 2.7 लाख पंचायतों को कुशल बनाने के लिए इस अभियान की मीयाद बढ़ाई जाती। दिवंगत राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम कहा करते थे, प्रोवाइडिंग अर्बन ऑपर्च्युनिटी इन रूरल एरिया। यानी, ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों जैसे अवसर पैदा करना। हालांकि, किसी योजना की सफलता इस पर निर्भर करती है कि उसे कितनी ईमानदारी से जमीन पर उतारा जाता है। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत बेशक 117 लक्षित जिलों की पंचायती राज व्यवस्था को दुरुस्त करने की बात कही गई है, लेकिन इसकी कुछ चुनौतियों से जल्द पार पाना आवश्यक है। सबसे बड़ी मुश्किल तो हर गांवों में तेज इंटरनेट की पहुंच सुनिश्चित करना और अभियान से जुड़े लोगों को 'कंप्यूटर-फ्रेंडली' बनाना है। चूंकि इस अभियान का डिजिटलीकरण कर दिया गया है, इसलिए उन गांवों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, जहां के सरपंच अब भी कंप्यूटर से ज्यादा परिचित नहीं है। सरकार का यह कहना सही है कि डिजिटलीकरण से कामकाज में कहीं ज्यादा पारदर्शिता आती है और जियो-टैगिंग संबंधी प्रावधानों से पंचायतों में होने वाले विकास-कार्यों की निगरानी हो जाती है, लेकिन जब तक पंचायती व्यवस्था के अहम किरदारों को इंटरनेट इस्तेमाल का बेहतर प्रशिक्षण नहीं दिया जाएगा, तब तक कामकाज में पारदर्शिता संबंधी सरकार की मंशा पूरी नहीं हो सकेगी। संभव हो, तो शुरुआत में स्थानीय युवाओं को इस काम में जोड़ा जा सकता है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन भी हो सकेगा। इसके अलावा, ग्राम सभा के सदस्यों, पंचों, जन-प्रतिनिधियों (विधायिका के सदस्यों) से भी समान सक्रियता की उम्मीद रहेगी। गांवों के विकास-कार्य किसी एक शख्स के भरोसे संभव नहीं। इसमें सभी की मदद की दरकार होगी। इसी तरह, हमें डीपीएमयू, यानी जिला परियोजना प्रबंधन इकाई को भी मजबूत बनाना होगा, क्योंकि इस अभियान के तहत होने वाले काम-काज की निगरानी का जिम्मा इसी पर है। जाहिर है, यह योजना न सिर्फ निचली इकाइयों को उन्नत बनाने में मददगार है, बल्कि 'सबका साथ, सबका गांव, सबका विकास' को साकार भी कर सकती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

ईंटों से एक-एक करके
बनी मजबूत दीवार छत
ने, बोझ उठाया
समर्पण, दरवाजे ओर
खिड़कियों ने दिया तब
जाकर, घर में आती है
बहार।

-अंजली जैन
7024460938

भाषाओं को करीब लाने की कोशिश, विरोध-समर्थन के द्वंद्व में उलझे हम

उमेश चतुर्वेदी

संविधान के अनुसार हिंदी राजभाषा भले ही है, पर यह राजभाषा शब्द ही उसके विरोध का स्थायी भाव बन गया है। आमजन राष्ट्र और राज-भाषा के विभेद को समझ नहीं पाता। लेकिन राजनीति जैसे ही इस तथ्य को उजागर करने की कोशिश करती है, गैर हिंदीभाषी राज्य और राजनीति इसके खिलाफ खड़ी हो जाती है। लगता है, मानो समूचा गैर हिंदीभाषी इलाका हिंदी विरोध में है।

संसदीय राजभाषा समिति में गृहमंत्री अमित शाह के हालिया संबोधन के बाद हिंदी विरोध में उठने वाली राजनीतिक आवाजों के पीछे भी विरोध का करीब पच्चासी साल पुराना वही डीएनए काम कर रहा है। हिंदी की बात जब भी होती है, द्रविड़ राजनीति इसके खिलाफ उठ खड़ी होती है। अब इसमें बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों की आवाज भी शामिल होने लगी है। जमीनी स्तर पर हिंदी विरोध को लेकर वैसे हालात नहीं हैं, जैसे पिछली सदी के साठ के दशक में थे। तमिलनाडु की वह पीढ़ी अब बुजुर्ग हो चुकी है, जिसने द्रविड़ राजनीति के चक्कर में हिंदी का हिंसक विरोध किया था। हिंदी विरोध की राजनीति से उपजी हिचक ही रही है कि सत्ता में आने वाले राजनीतिक दल इसका सवाल पूरी ताकत के साथ उठाने से हिचकते रहे हैं। इन अर्थों में गृहमंत्री अमित शाह को साहसी माना जाना चाहिए कि उन्होंने खुलकर हिंदी को अंग्रेजी की जगह राष्ट्र की संपर्क भाषा बनाने की वकालत की है। अमित शाह के मुताबिक, उत्तर पूर्व की आठ भाषाओं ने देवनागरी अपनाने का फैसला लिया है। बोडो, जेमी, किरबुक और अरुणाचल प्रदेश की स्थानीय भाषाओं द्वारा देवनागरी अपनाना मामूली बात नहीं है। वैसे भारतीय भाषाओं के लिए देवनागरी को अपनाए जाने का विचार आज का नहीं है। विनोबा भावे लगातार इस कोशिश में रहे कि भारतीय भाषाएं देवनागरी लिपि अपना लें। 1972 में विनोबा ने कहा था, 'नागरी लिपि हिंदुस्तान की सब भाषाओं के लिए चले तो हम सब लोग नजदीक आ जाएंगे। खासतौर से दक्षिण की भाषाओं को नागरी लिपि का लाभ होगा।

वहां की चार भाषाएं अत्यंत नजदीक हैं। उनमें संस्कृत शब्दों के अलावा उनके अपने जो प्रांतीय शब्द हैं, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम के बहुत से शब्द समान हैं। वे शब्द यदि नागरी लिपि में आ जाते हैं, तो दक्षिण के लोग चारों भाषाएं पंद्रह दिन में सीख सकते हैं।' गांधी जी ने बेशक हिंदुस्तानी शब्द का प्रयोग किया था, लेकिन वह भी चाहते थे कि देश की संपर्क भाषा हिंदी ही बने।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

खास खबर

कल हनुमान जन्मोत्सव पर सेक्टर–9 में भव्य आयोजन

सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ दया सिंह करेंगे विशेष पूजा-अर्चना, 501 किलो का चढ़ाया जाएगा लड्डू

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 16 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर सेक्टर–9 मंदिरमें 7 am भव्य आयोजन होगा। बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के पदाधिकारी भी विशेष पूजा–अर्चना करने शामिल होंगे। वहीं हनुमानजी के जन्मोत्सव पर 501 किलो का लड्डू चढ़ाया जाएगा। जिसे प्रसाद स्वरूप श्रद्धालुओं को दिया जाएगा। बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष व भाजपा पार्षद दया सिंह ने बताया कि, आयोजन को लेकर तैयारी हो गई है। हर साल की तरह इस साल भी 16 अप्रैल को भव्य आयोजन किया जा रहा है। प्राचीन हनुमान मंदिर सेक्टर–9 की कृपा सदैव भिलाईवासियों पर रही है। संकट मोचन सबके दुख को हर लेते हैं। कल उनके जन्मोत्सव पर पूरा भिलाई झूमेगा।

सिया राम सेवा समिति हनुमान जयंती का पर्व बड़े उर्षोउलास के साथ मनायेंगी

भिलाई। सिया राम सेवा समिति द्वारा पंचमुखी हनुमान मंदिर नेहरू नगर 16 अप्रेल दिन शनिवार को शाम 6 बजे महाआरती एवं भव्य शोभायात्रा हनुमान जयंती के इस पावन अवसर पर निकाली जा रही है। इसकी तैयारी एनएसयूआई के युवा नेता रौनक भाटिया, अमोल वर्मा, व सोमनाथ मिश्रा के द्वारा की जा रही है। इस भव्य शोभायात्रा के लिए ढोल डीजे धुमाल व घोड़े के अलावा भव्य झांकी हनुमान जी के भजनों से श्रद्धालुओं ओत प्रोत किया जायेगा। समिति द्वारा आम जन मानस के लिए विशाल भंडारा का भी आयोजन शाम 4 बजे से शुरू कर दिया जायेगा। समिति के पदाधिकारी इस आयोजन को बेहतर बनाने के लिए जोर शोर से जुटे हुए है।

गुरू श्री तेगबहादुर जी के शहादत पर मानव एकता समिति के लोग भी हुए शामिल

भिलाई। गुरू श्री तेगबहादुर जी के शहादत के अवसर पर गत दिवस छत्तीसगढ़ सिख पंचायत के सौजन्य से निकाली गई शोभायात्रा में मानव एकता समिति के सदस्यों ने भी भाग लिया। सिख धर्म की उच्च परंपराओं के अनुरूप हिंदी है हम वतन है हिन्दुस्तान हमारा। के भाव के साथ हमारी समिति विगत 32 वर्षों से आपसी भाईचारे और मोहब्बत का पैगात फैलाने में लगी हुई है। उक्त जानकारी मानव एकता समिति के जनरल सेकेटरी सरदार बच्चन सिंह ने दी है।

बंगाली समाज का सांस्कृतिक आयोजन आज शाम

भिलाई। भिलाई बंगाली समाज बीबीएस द्वारा नववर्ष (पयला बोइशाख) के अवसर पर 15 अप्रैल को शाम 7.30 बजे से ओपन एयर थियेटर, सिविक सेंटर भिलाई में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

दक्षिणेश्वर हनुमान जी की कृपा से खिल उठा सी मार्केट का चेहरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेक्टर–6 सी मार्केट की दक्षिणी छोर पर दक्षिण मुखी हनुमान जी का एक पुराना मंदिर है। पांच साल पहले इस मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया। प्रतिदिन सुबह शाम पूजा अर्चना होने लगी। एक एक कर भक्त जुड़ते गए और आज यहां हनुमान जयंती पर भव्य आयोजन होता है। आश्चर्य की बात यह है कि जैसे जैसे मंदिर की स्वरूप बढ़ता गया वैसे वैसे इस मार्केट का महत्व भी बढ़ता चला गया और आज यह मार्केट शहर के सर्वाधिक व्यस्त बाजारों की सूची में शीर्ष पर है।

संकटमोचन हनुमान मंदिर के ही एक सेवादार अम्बरीश शुक्ला की इस मंदिर पर नजर पड़ी। पुत्तन महाराज के नाम से बेहतर जाने जाने वाले पं. शुक्ल बताते हैं कि वह वर्ष 2012 के फरवरी माह में माघी पूर्णिमा का दिन था। शाम को वे इस मंदिर में पहुंचे। वह मंगलवार का दिन था। यहां आते ही उन्होंने अपूर्व शांति का अनुभव किया। बाबा की उपस्थिति का अहसास उन्हें तत्काल हो गया। उन्होंने इस मंदिर के जीर्णोद्धार और बाबा की नियमित सेवा का संकल्प ले लिया। उन्होंने मंदिर की साफ सफाई की और नया पताका लगाकर पूजा पाठ करना प्रारंभ कर दिया। इलायची दाना और चना का प्रसाद लगने लगा। कभी कोई नारियल चढ़ा देता तो इसमें नारियल भी शामिल हो जाता। मंदिर की ख्याति तेजी से फैलने लगी और साल दो साल में ही भक्तों का मेला लगने लगा।

भक्तों की संख्या बढ़ी तो आयोजनों का स्वरूप भी बदलने लगा। कभी हजारों पार्थिव शिवलिंग बनाने का संकल्प पूरा होता दिखा तो कभी अखण्ड जाप और पाठ का आयोजन सफल होने लगा। साल में ऐसे अनेक अवसर आने लगे जब यहां भण्डारा भी होने लगा। पुत्तन महाराज बताते हैं कि यहां आकर लोगों को जहां मन का सुकून मिला वहीं उनके संकट भी टलते चले गए। कामकाज और व्यापार में बरकत होने लगी तो आस्था भी बढ़ती चली गई। हम तो केवल निमित्त थे। बजरंगबली के एक से बढ़कर एक भक्त इस मंदिर से जुड़ते चले गए। सबने अपनी क्षमता भर सहयोग भी किया और आज बाबा के इस मंदिर को एक नई गरिमा मिल गई है।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी यहां हनुमान जयंती पर वृहद आयोजन हो रहा है। 15 अप्रैल प्रात: 8 बजे से रामचरित मानस का पाठ प्रारंभ होगा क्योंकि बजरंगबली को राम नाम ही सबसे अधिक प्रिय है। 16 अप्रैल प्रात: 4 बजे से उनका अभिषेक होगा और फिर पूजा अर्चना पश्चात हवन और भंडारा भी होगा। हनुमत पूर्ण करें सब आशा मन प्रसन्न हो मीटे निराशा श्री हनुमान जी महाराज के जन्मोत्सव की बहुत–बहुत बधाई हार्दिक शुभकामनाएं।

महावीर जयंती के अवसर पर जैन समाज को मिली सौगात

सेक्टर 6 जैन भवन के सामने लगेगा पेवर ब्लॉक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महावीर जयंती के पावन अवसर पर जैन समाज के लोगों को विधायक देवेंद्र यादव की पहल से सौगात मिली। सेक्टर 6 जैन भवन के सामने वाले रोड पर पेवर ब्लॉक लगाया जाएगा। इससे क्षेत्र की सुंदरता बढ़ेगी, आस पास क्षेत्र काफी साफ और सुंदर लगेगा साथ ही बारिश के दिनों में कीचड़ भी नहीं होगा।

इसके लिए स्वीकृति मिलने के बाद 14 अप्रैल को भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जहां भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव एवं महापौर भिलाई नीरज पाल के निर्देश पर पी.डब्ल्यू.डी. प्रभारी एवं विधयाक प्रतिनिधि एकांश बंछोर ने क्षेत्रवासियों के साथ मिल कर भूमिपूजन किया। विधि विधान से आयोजित इस कार्यक्रम में एकांश बंछोर ने बताया कि सेक्टर 6 जैन भवन के सामने पेवर ब्लाक लगाने का कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। विधायक निधि के माध्यम से पेवर ब्लॉक लगाने का काम जल्द ही शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर मुकेश जैन–जैन मिलन अध्यक्ष, प्रभात जैन–प्रबंधक जैन ट्रस्ट, कमल जैन–उपाध्याक्ष जैन मिलान,राजेश जैन, ज्ञानचंद जैन, भाग चंद जैन, पूर्व पार्षद निर्मल कोचर मंत्री जैन ट्रस्ट, अमित अजमेरा (अमित जैन क्लासेज), प्रदीप बकलीवाल मीडिया प्रभारी, संजय चतुर मंत्री जैन मिलन, ज्ञानचंद जैन व्यापारी संघ अधक्ष, जिनेन्द्र जैन कोशाद्यक्ष, मुकेश बकलीवाल–उपमंत्री जैन मिलान, अनुपम जैन, राजेश जैन विनोद मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बच्चों के अरमानों को लगे पंख

सुकमा के नक्सल प्रभावित गांव मोरपल्ली में बना पक्का स्कूल भवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । दुनिया फोर जी से फाइव जी जनरेशन की ओर बढ़ चुकी है, लेकिन विकासशील भारतवर्ष में कई इलाके आज भी ऐसे है, जहां इंटरनेट, वाट्सअप, वीडियो कॉल जैसी बातें मानों तारों से बातें करने जैसी हो। हम बात कर रहे हैं छत्तीसगढ़ के सघन नक्सल प्रभावित सुकमा जिले की, जिसकी पहचान कल तक एक घुप्प अंधेरे से बढ़कर कुछ नहीं थी, लेकिन बदलती सोच, शासन–प्रशासन की सक्रियता और सुरक्षा बलों के प्रयासों ने सुकमा के इस काले अंधेरे को हटाकर, इस जिले की तस्वीर और तकदीर बदलने में कामयाब हो रही है।

बुधवार का दिन मोरपल्ली वासियों के लिए खास था। वजह थी नवनिर्मित स्कूल बिल्डिंग का लोकार्पण, जिसकी सौगात कलेक्टर ने वर्चुअली दी। पक्की छत पाकर मानों बच्चों के साथ ग्रामीणों के अरमानों को पंख लगे हो।

गांव में जैसे जश्न का माहौल था, ढोल की थाप पर बच्चे, जवान और बूढ़े हर कोई थिरकता रहा। यह जोश, उल्लास, उत्सव मानों मोरपल्ली गांव का स्वर्णिम भविष्य को बयां कर रहा हो। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र सुकमा जिला मुख्यालय से लगभग 58 किमी दूर मोरपल्ली गांव में विकास की इबारत लिखी गई है। यहां सलवा जुडूम के दौर में बंद पड़े प्राईमरी स्कूल का ना सिर्फ पुन: संचालन शुरू हुआ बल्कि झोपड़ी में शिक्षा ग्रहण करने की मजबूरी से भी बच्चों को मुक्ति मिली है। करीब डेढ़ दशक बाद मोरपल्ली में पक्का स्कूल भवन का सपना साकार है। इतना ही नहीं शिक्षा में हुई प्रगति के साथ–साथ यह गांव अब संचार सेवा से भी जुड़ गया है। जिसकी बदौलत अब कमोवेश हर हाथ में एंड्राईड फोन है। इंटरनेट की बदौलत ग्रामीण आधुनिकमा से रूबरू हो रहे हैं।

पहली बार मोबाईल पर वीडियो कॉल देख ग्रामीणों में गजब का उत्साह और गांव में स्कूल के पुन: प्रारंभ होने की खुशी थी। इसी दौरन गांव में मोबाइल की घंटी बजना भी सभी के लिए सुखद आश्चर्य था। वीडियो कॉल पर बातें करना ग्रामीणों के लिए मानो चांद–सितारों से बातें करने जैसा था। साल 2005 से 2010 के दरमियान मोरपल्ली गांव सलवा जुडूम और नक्सलवाद के बीच वीरान हो चला था, लेकिन समय बलवान और परिवर्तनशील होता है। मोरपल्ली पर छाये मायूसी के बादले छंटने लगे, गांव में स्कूल खुला और चंद महीनों में पक्की स्कूल बिल्डिंग की सौगात भी गांव वालों को मिल गई। जिन्हें सोली–पायली के नाप तौल के आगे कुछ समझ ना हो, उन ग्रामीणों के हाथों में एंड्राईड फेन, इंटरनेट पर चैट से लेकर वीडियो कॉल जैसी सौगातों ने मोरपल्ली के विकास की नई इबारत लिखी है।

सुकमा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हरीश कवासी और कलेक्टर श्री विनीत नन्दनवार मोरपल्ली में नवीन स्कूल भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में वर्चुअल रुप से सम्मिलित हुए।

एस.आर.अस्पताल दुर्ग के डॉक्टरों की टीम ने 2 साल की बच्ची के स्वास नली से कंकड निकालकर बचाई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एस.आर. हॉस्पिटल चिखली दुर्ग में मात्र 2 वर्ष की बच्ची दचिका साहू के नाक में फसे कंकड को तत्काल निकालकर बच्चे की जान बचाई गई है। खेलते वक्त दचिका के नाक के द्वारा श्वास नली में अन्दर गहराई तक बड़े साइज का गोल बड़ा कंकड़ जाकर फस गया था । जिससे बच्चा ठीक से सांस नहीं ले पा रहा था एवं नाक में अत्यधिक सूजन हो गया था । बच्चे को असहनीय दर्द भी हो रहा था।

मरीज के पिता ग्राम मंदराकुन्द खैरागढ़ निवासी मदन साहू ने बताया कि बच्ची को लेकर कई अस्पताल गए किन्तु किसी भी अस्पताल में ईलाज नहीं किया। सभी अस्पताल में कहा गया कि मरीज को तत्काल किसी बड़े अस्पताल में इलाज के लिए लेकर जाओ । मरीज के रिश्तेदार दुर्ग में रहते हैं उनसे संपर्क करने पर उन्होंने एस.आर. हॉस्पिटल चिखली दुर्ग मैं इलाज कराने की सलाह दी द्य एस.आर.अस्पताल चिखली दुर्ग के अस्पताल अधीक्षक डॉ रंजन सेन गुप्ता ने बताया कि जब 2 साल की बच्ची अस्पताल पहुंची बच्ची ठीक से सांस नहीं ले पा रही थी । बच्ची बहुत ज्यादा दर्द एवं तकलीफ में थी। बच्ची की गभीर स्थिति देखकर घर वाले भी बहुत घबड़ा गए थे। अस्पताल के डॉक्टरों ने तत्परता दिखाई नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ अंकिता जोशी नशचेतना विशेषज्ञ डॉ पवन देशमुख डॉ अश्वनी शुक्ला डॉ नीलम चन्द्राकर ऑपरेशन थिएटर इंचार्ज हरि साहू ,सीमा बरहरे, मनोहर की संयुक्त टीम ने तत्काल बच्चे को मॉडलर ऑपरेशन थिएटर मैं ऑपरेशन के लिए लिया द्य आधुनिक उपकरणों की मदद से श्वास नली में अंदर तक पहुंच गए बड़े कंकड़ को निकाला गया। अस्पताल के नशचेतना विशेषज्ञ डॉ पवन देशमुख ने बताया कि 2 साल की बच्ची को बेहोश करना करने में खतरा ज्यादा होता है। टीम के सभी सदस्यो के अथक प्रयास से बच्चे की जान बचा ली गई। बताया कि बच्ची अब स्वस्थ है जिसकी छुटी की जा रही है। यह भी बताया कि अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ उपलब्ध है। बच्ची के दादा हेमू साहू एवं पिता मदन साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि एस.आर. हॉस्पिटल मैं मेरी बच्ची का तत्काल इलाज हुआ द्य जब मैं अस्पताल पहुंचा सभी डॉक्टर वहां मौजूद मिले द्य मेरी बच्ची अब स्वस्थ है बच्ची के पिता ने अस्पताल के डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ सहित सभी का धन्यवाद दिया। अस्पताल के चेयरमैन संजय तिवारी ने सभी डॉक्टर एवं सभी स्टाफ की सराहना करते हुए कहा कि सभी देवदूतों ने तत्काल अपनी सेवाएं प्रदान की जिससे एक बच्ची की जान बच गई ।

खास खबर

कस्टम मिलिंग के लिए अब तक 97.70 लाख मीटरिक टन धान का उठाव

रायपुर। राज्य में कस्टम मिलिंग के लिए 13 अप्रैल तक 97.70 लाख मीटरिक टन धान का उठाव हो चुका है। राज्य सरकार द्वारा केन्द्रीय पूल में चावल जमा कराने के मामले में भी तेजी से काम किया जा रहा है। अब तक केन्द्रीय पूल में 36.40 लाख मीटरिक टन चावल जमा कराया जा चुका है, जिसमें भारतीय खाद्य निगम में 19.26 लाख मीटरिक टन और नागरिक आपूर्ति निगम में 17.13 लाख मीटरिक टन चावल शामिल है। खाद्य सचिव टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर इस वर्ष धान खरीदी के साथ ही उठाव एवं कस्टम मिलिंग का काम तेजी शुरू कर दिया गया था। राज्य में अब तक डीओ और टीओ के माध्यम से 97.70 लाख मीटरिक टन धान का रिकार्ड उठाव हो चुका है। श्री वर्मा ने बताया कि 75 लाख 08 हजार मीटरिक टन धान का डीओ जारी कर दिया गया है। उपार्जन केन्द्रों से मिलर्स द्वारा 74 लाख 80 हजार मीटरिक धान का उठाव कर लिया गया है। इसी प्रकार 23 लाख 9 हजार मीटरिक टन धान के परिवहन के लिए टी.ओ. जारी किया गया है, जिसके विरूद्ध समितियों से 22 लाख 91 हजार मीटरिक टन धान का उठाव हो चुका है। इस साल केन्द्रीय पूल में 61.65 लाख मीट्रिक टन अरवा चावल जमा कराया जाना है। उल्लेखनीय है कि खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में पंजीकृत 21 लाख 77 हजार किसानों से समर्थन मूल्य पर लगभग 98 लाख मीटरिक टन धान की खरीदी की गई है। धान खरीदी की एवज में किसानों को बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत लगभग 20 हजार करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष प्रदेश के 1 लाख 24 हजार अर्थात् 6 प्रतिशत अधिक किसानों द्वारा समर्थन मूल्य पर धान विक्रय किया गया।

द्रोणिका से बदला मौसम का मिजाज, आज हो सकती है हल्की बारिश

रायपुर (ए)। द्रोणिका के प्रभाव से छत्तीसगढ़ के मौसम में थोड़ा बदलाव हुआ है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बादल छाने के साथ हल्की बारिश भी हो रही है। हालांकि, इससे गर्मी से किसी भी प्रकार से राहत नहीं है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि तापमान में किसी भी प्रकार से बदलाव के आसार नहीं है। शुक्रवार को भी आसमान में बादल छाए रह सकते हैं। साथ ही बहुत से क्षेत्रों में हल्की बारिश के साथ छींटे पड़ने की भी संभावना है। इधर, राजधानी रायपुर का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दो दिनों तक प्रदेश में मौसम का मिजाज इसी प्रकार का रहेगा। राजधानी समेत प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में गुरुवार की सुबह हल्के बादल छाने के साथ हवाएं चली। दोपहर होते-होते चिलचिलाती धूप की वजह से गर्मी में बेतहाशा बढ़ोतरी हो गई। प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश भी हुई। पौड़ी उपरोरा में 2 सेमी तथा कुछ क्षेत्रों में इससे कम बारिश दर्ज किया गया। रायपुर का अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस रहा,जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम रहा। इसी प्रकार न्यूनतम तापमान 28.3 डिग्री सेल्सियस रहा,जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। प्रदेश में बिलासपुर में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी प्रकार सबसे कम न्यूनतम तापमान कृषि विज्ञान केंद्र डूमरबहार, नारायणपुर और अंबिकापुर में 23.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा ने बताया कि एक द्रोणिका उत्तर अंदरूनी कर्नाटक से पश्चिमी विदर्भ तक 0.9 किमी ऊंचाई तक विस्तारित है। इन दिनों प्रदेश के उत्तर में उत्तरी और दक्षिण में दक्षिणी हवाएं लगातार आ रही है।

विश्व शांति और समाज में आपसी सद्भावना के लिए भगवान महावीर के बताए हुए मार्गों पर चलना जरूरीः मुख्यमंत्री बघेल

रायपुर में आयोजित भगवान महावीर स्वामी जन्मकल्याणक महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

उल्लेखनीय कार्यों के लिए जैन समाज के विभिन्न संगठनों को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी के एमजी रोड स्थित दादाबाड़ी में आयोजित भगवान महावीर स्वामी जन्मकल्याणक महोत्सव में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने दादाबाड़ी परिसर स्थित धर्मनाथ जिनालय में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस अवसर पर जैन समाज के लोगों को भगवान महावीर स्वामी की 2621वीं जयंती पर बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री बघेल ने महोत्सव में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि भगवान महावीर के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक है। आज पूरी दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। ऐसे संकट के दौर में भगवान महावीर द्वारा बताए गए सत्य और अहिंसा जैसे मार्गों का अनुशरण करना हम सब लोगों के लिए जरूरी है। उन्होंने पूरे विश्व को सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य, अस्तेय तथा अपरिग्रह जैसे महान आदर्शों का मार्ग बताया था। इसके साथ-साथ समाज में परस्पर एक-दूसरे के सम्मान के लिए अनेकांतवाद का महान सिद्धांत दिया। जिसमें सबके विचारों के सम्मान का आदर्श निहित है। आज समाज में शांति, आपसी भाईचारा और परस्पर सम्मान के लिए उनके बताए मार्गों पर चलना बहुत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री बघेल ने आगे कहा कि हमारी सरकार छत्तीसगढ़ में हर समाज और वर्ग की उन्नति के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विगत कोरोना संकट के दौर में भी स्थिति से उबरने में सभी समाज के लोगों का भरपूर सहयोग मिला, जिसमें जैन समाज से मिले सहयोग की भी बड़ी भूमिका रही। हमारी सरकार राज्य में मजदूर, किसान, व्यापारी आदि हर वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए कृत-संकल्पित है। इसके लिए नित नये योजनाओं और कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। राज्य में अब गाय के दूध ही नहीं बल्कि उसके गोबर और गौमूत्र से भी पैसा आने लगे हैं। इस तरह राज्य में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का बेहतर से बेहतर क्रियान्वयन कर गत तीन वर्षों के दौरान लोगों के जेब में 91 हजार करोड़ रूपए की राशि डाले गए हैं। जिसके फलस्वरूप कोरोना संकट के दौर में भी छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था गतिशील बनी रही और सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ उन्नति की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ राज्य गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप सिंह जुनेजा, रायपुर महापौर एजाज ढेबर, भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति के अध्यक्ष महेन्द्र कोचर, कमल भंसाली, मनोज कोठारी, गुलाब दस्तानी सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग उपस्थित थे।

मानव कल्याण और सामाजिक समरसता में बाबासाहेब का योगदान अविस्मरणीयः कुलपति डॉ. गिरिश चंदेल

कृषि विश्वविद्यालय में मनाई गई डॉ. अम्बेडकर जयंती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आज भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पी भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती मनाई गई। कृषि महाविद्यालय रायपुर के सभागार में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने भारतीय संविधान की रचना में बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने आजीवन भारत में सामाजिक समरसता स्थापित करने और शोषितों, वंचितों को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए संघर्ष किया। डॉ. अम्बेडकर मानव कल्याण और देश के उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत रहे। डॉ. चंदेल ने बाबा साहेब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि देते हुए विद्यार्थियों से बाबा साहेब के बताये मार्ग और आदर्शों का अनुसारण कर मानव जाति तथा देश के कल्याण के लिए कार्य करने का आव्हान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. जी.के. श्रीवास्तव ने की। इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में आयोजित रंगोली, चित्रकला, स्कैचिंग, नारा लेखन एवं क्विज़ प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

भारतीय संविधान के शिल्पी बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर की 131वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल वक्ताओं ने बाबा साहेब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए भारतीय संविधान के निर्माण तथा देश में सामाजिक समरसता एवं बंधुत्व स्थापित करने में उनके योगदान को रेखांकित किया। कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव जी.के. निर्माम, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम.पी. ठाकुर, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. व्ही.के. पाण्डेय, संचालक अनुसंधान डॉ. पी.के. चन्द्राकर एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री रूखमणी रामटेके, सुनील गणवीर तथा अखिलेश बावनगड़े ने बाबा साहेब की संघर्ष यात्रा एवं दलितो, शोषितों को सामाजिक न्याय दिलाने में उनके अथक प्रयासों का उल्लेख किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. पी.के. सागोड़े ने स्वागत भाषण दिया तथा आयोजन सचिव डॉ. पी.एल. जॉनसन ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय के प्राध्यापक एवं वैज्ञानिकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

हाट-बाजारों में 26.17 लाख लोगों का इलाज

प्रदेश के 1657 हाट-बाजारों में ग्रामीणों की नि:शुल्क जांच, उपचार व दवाईयां

मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक योजना के अंतर्गत प्रदेश भर में अब तक कुल 73,390 क्लिनिक आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वनांचलों और ग्रामीण इलाकों के हाट-बाजारों में स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीमों द्वारा 26 लाख 17 हजार 093 लोगों को इलाज मुहैया कराया गया है। मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक योजना के माध्यम से प्रदेश के 1657 हाट-बाजारों में क्लिनिक लगाकर लोगों की नि:शुल्क जांच व उपचार कर दवाईयां दी जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा योजना की शुरूआत के बाद से अब तक प्रदेश भर में कुल 73 हजार 390 हाट-बाजार क्लिनिक आयोजित कर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। योजना के अंतर्गत राज्य में 373 डेडिकेटेड ब्राडिंग वाहन तथा चिकित्सा दलों के माध्यम से दूरस्थ अंचलों में लोगों का इलाज किया जा रहा है।

हाट-बाजार क्लिनिकों में जरूरतमंदों को नि:शुल्क उपचार, चिकित्सीय परामर्श और दवाईयां उपलब्ध कराने के साथ ही मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा मलेरिया, एचआईव्ही, मधुमेह, एनिमिया, टीबी, कुष्ठ रोग, उच्च रक्तचाप और नेत्र विकारों की जांच भी की जा रही है। इन क्लिनिकों में शिशुओं और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण भी किया जा रहा है। हाट-बाजार क्लिनिकों में ओ.पी.डी. आधारित आठ प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। जांच के बाद व्याधिग्रस्त पाए गए लोगों को नि:शुल्क दवाईयां भी दी जाती हैं। आवश्यकता होने पर उच्च स्तरीय स्वास्थ्य केन्द्रों में रिफर कर इलाज कराया जाता है।

मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक योजना के अंतर्गत प्रदेश में अब तक पांच लाख 64 हजार 147 लोगों के उच्च रक्तचाप, चार लाख 43 हजार 235 लोगों की मधुमेह, दो लाख 50 हजार 686 लोगों की मलेरिया जांच, एक लाख 21 हजार 454 लोगों की रक्त-अल्पता (एनीमिया) और 84 हजार 106 लोगों में नेत्र विकारों की जांच की गई है। इन क्लिनिकों में 23 हजार 204 लोगों की टीबी, 7203 लोगों की कुष्ठ और 15 हजार 892 लोगों की एचआईव्ही जांच भी की गई है। इस दौरान 46 हजार 748 गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच भी की गई है। हाट-बाजारों में आयोजित क्लिनिकों में 62 हजार 534 डायरिया पीड़ितों का भी उपचार किया गया है।

मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिकों के माध्यम से अब तक बालोद जिले में एक लाख 57 हजार 312, बलौदाबाजार-भाटापारा में 36 हजार 507, बलरामपुर-रामानुजगंज में 63 हजार 128, बस्तर में 78 हजार, बेमेतरा में एक लाख 87 हजार 257, बीजापुर में 91 हजार 393, बिलासपुर में एक लाख 54 हजार 307, दंतेवाड़ा में 88 हजार 179, धमतरी में 32 हजार 811, दुर्ग में 88 हजार 289, गरियाबंद में 74 हजार 244, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 53 हजार 679, जांजगीर-चांपा में 56 हजार 844 और जशपुर में एक लाख पांच हजार 382 लोगों का इलाज किया गया है।

राज्य स्तरीय किसान मेले में खेती-किसानी की प्रदर्शनी देखने उमड़ी भीड़

खेती-किसानी को समृद्ध बनाने उपायों के प्रति किसानों को जागरूक करना मेले का उद्देश्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिलासपुर के साईंस कॉलेज मैदान में 13 अप्रैल से शुरू हुए तीन दिवसीय किसान मेले में राज्य में खेती-किसानी से किसानों के जीवन में आए बदलाव और खुशहाली का नजारा चहुओर दिखाई दे रहा है। राज्य भर के किसान और किसान संगठनों से जुड़े लोग मेले में पहुंचकर कृषि के क्षेत्र में हुए नवाचार और नयी तकनीक के बारे में जानकारी हासिल कर रहे है। 13 अप्रैल से आयोजित किसान मेले में बड़ी संख्या में किसान अपनी सहभागिता निभाने के साथ ही खेती-किसानी के नवाचार, तकनीक, उत्पादन और मार्केटिंग के बारे में भी अपने अनुभवों को साझा कर रहे हैं।

मेले के उद्घाटन दिवस पर कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन एवं कृषि के अन्य गतिविधियों से जुड़े लगभग 30 हजार से अधिक कृषको ने पंजीयन कराया। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की जीवंत प्रदर्शनी को देखने कृषि महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं कृषक बड़ी संख्या में मेला स्थल पहुंचे। उद्यानिकी विभाग द्वारा यहां लगाई गई बागवानी की जीवंत प्रदर्शनी में साग-सब्जी, फल, फूल की खेती के साथ जेरेनियम, चाय एवं काफी की खेती का भी प्रदर्शन किया गया है। उद्यानिकी विभाग के स्टॉल में विभागीय योजना की बुकलेट के साथ बागवानी की महत्वपूर्ण जानकारी वाला नोटपैड भी वितरित किया जा रहा है। उद्यानिकी के स्टॉल्स में विभिन्न प्रकार के पुष्प जैसे जरबेरा, रजनीगंधा, ऑर्किड्स, गुलाब, गेंदा आदि प्रदर्शित किए गए। सब्जी के स्टॉल में नारंगी रंग की जुकिनी, डांगकांदा, गोभी आदि प्रदर्शित की गई। फलों में क्रिकेट बॉल वैरायटी का चीकू, तरबूज, खरबूजा, केले का गुच्छ एवं नारियल आदि प्रदर्शित किए गए हैं। छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय राज्य स्तरीय किसान मेले का उद्देश्य ग्रामीण अंचल में जल संचयन एवं संवर्धन हेतु लोगों को जागरूक कर राज्य में द्विफसलीय क्षेत्र का विस्तार करना, खुली चराई प्रथा पर रोक, पशु संरक्षण एवं संवर्धन के साथ-साथ नस्ल सुधार, उन्नत कृषि तकनीक का उपयोग, वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन एवं खेती-किसानी में उपयोग कर रायसानिक उर्वरक की निर्भरता तथा खेती की लागत को कम करना और भूमि की उर्वरा शक्ति को बेहतर बनाकर गुणवत्तायुक्त उत्पादन प्राप्त करना हैं। इसके अलावा प्रगतिशील कृषक, कृषक उत्पादक समूह एवं महिला समूहों के विशिष्ट उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय, शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार, प्रसंस्करण और विपणन को बढ़ावा देना भी इस तीन दिवसीय किसान मेले का उद्देश्य है।

हनुमान जन्मोत्सव मनाने की तैयारी जोरों पर

रायपुर। भगवान हनुमान जयंती में इस साल 16 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस साल हनुमान जयंती पर एक खास शुभ योग बन रहा है। महामाया मंदिर के पुजारी मनोज शुक्ला ने बताया कि मंगलवार और शनिवार को जब हनुमान जयंती होती है तो इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। इस वजह से इस बार की हनुमान जयंती शनि को प्रसन्ना करने के लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस साल हनुमान जयंती ऐसे दिन मनाई जाएगी, जब पूरे दिन सुबह से रात तक रवि योग और हर्षण योग लगे रहेंगे।

इधर राजधानी में विभिन्न हनुमान मंदिरों में जन्मोत्सव की तैयारी जोरों से चल रही है। शहर के प्रमुख बुढ़ेश्वर चौक स्थित हनुमान मंदिर, माधवराव सप्रे शाला के हनुमान मंदिर, रेलवे स्टेशन हनुमान मंदिर, गुढ़ियारी हनुमान मंदिर, आजाद चौक हनुमान मंदिर आदि जगहों पर हनुमान जयंती पर विशेष आयोजन होंगे। यहां हनुमान चालीसा, सुंदरकांठ पाठ, भजन और भोग-भंडारे का आयोजन होगा। वहीं, मंदिरों में आकर्षक रंग-रोगन के साथ विद्युत लाइटों से सजाया जा रहा है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

शराब पीने वालों में बढ़ रही है नकारात्मक मानसिकता की समस्या, अध्ययन में सामने आईं ये रोचक बातें

खाने की चीजों या पेय पदार्थों से व्यक्ति की मानसिकता पर असर पड़ता है। खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थों से सकारात्मकता और नकारात्मकता आती है। जैसे नारियल का पानी, संतरे का रस और देशी गाय का दूध आदि को सात्विक पेय माना जाता है, जिसके सेवन से व्यक्ति को सकारात्मकता मिलती है। इससे उनके आसपास के समाज को भी शारीरिक और आध्यात्मिक स्तर पर लाभ होता है। लेकिन वाइन, बियर और ब्रांडेड बोतलबंद पानी आदि के सेवन से व्यक्ति की सकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है और नकारात्मकता को बढ़ावा मिलता है। महर्षि अध्यात्म विश्वविद्यालय ने लंदन की अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक परिषद में अलग अलग पेय पर शोध प्रस्तुत किया। आठ दिनों तक एक महिला और पुरुष को आठ अलग- अलग पेय दिए गए और उन्हें निगरानी में रखते हुए उनके रवैये पर ध्यान दिया गया। इस शोध में जो परिणाम सामने आए, वह आश्चर्यजनक थे। पेय पदार्थों के सेवन से व्यक्ति में पाई जाने वाली सकारात्मकता और नकारात्मकता पर महर्षि अध्यात्म विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध परिणाम के बारे में जानें।

महर्षि अध्यात्म विश्वविद्यालय का पेय पर शोध

लंदन, यू.के. की 'कॉन्फ्रेंस सीरीज एल.एल.सी. लिमिटेड कॉन्फ्रेंसीज' ने महर्षि अध्यात्म विश्वविद्यालय के शॉन क्लार्क ने 'फूड एंड बॅवरेजस' की 31वीं जागतिक परिषद का आयोजन किया था। यहां क्लार्क ने 'मद्यपान का व्यक्ति पर आध्यात्मिक स्तर पर होने वाला परिणाम' पर शोध निबंध प्रस्तुत किया। इस शोध के लेखक महर्षि अध्यात्म विश्वविद्यालय के संस्थापक परात्पर गुरु डॉ. जयंत बाळाजी आठवले हैं और शॉन क्लार्क सहलेखक हैं। महर्षि अध्यात्म विश्वविद्यालय द्वारा वैज्ञानिक परिषदों का यह 88 वां प्रस्तुतीकरण था।

8 अलग पैय के सेवन का व्यक्ति पर असर

इस शोध को लेकर विश्वविद्यालय ने एक प्रयोग में 8 पेय पदार्थों और उनके सेवन से व्यक्तियों पर होने वाले असर को 'यूनिवर्सल ऑरा स्कैनर' नामक ऊर्जा मापक उपकरण द्वारा मापा। इसके परिणाम से पता चला कि शोध के लिए उपयोग किए गए सभी मद्यों में 11.5 प्रतिशत 'अल्कोहल' होते हुए भी 'रेड वाइन' का वलय सर्वाधिक नकारात्मक था । इसके बाद 'व्हिस्की' और 'बियर' का भी उपयोग किया गया। प्रसिद्ध प्रतिष्ठानों के बोतलबंद पानी में भी नकारात्मक स्पंदन थे। वहीं आठ पेय पदार्थों में जब नारियल का पानी, संतरे का ताजा रस, देशी गाय के दूध और गोवा स्थित आध्यात्मिक शोध केंद्र के पानी पर शोध किया गया तो पाया गया कि इनके सेवन से व्यक्ति में नकारात्मक वलय न होकर केवल सकारात्मक वलय हुआ था।

देशी गाय के दूध के सेवन से बढ़ी सबसे ज्यादा सकारात्मकता

विशेषज्ञों की निगरानी में एक पुरुष और एक महिला को रोजाना 8 अलग अलग पेय को आठ दिनों तक दिया गया। 'यूनिवर्सल ऑरा स्कैनर' नामक उपकरण से उन दोनों के द्वारा प्रतिदिन पेय सेवन करने से पहले और सेवन करने के 5 मिनट और 30 मिनट बाद निरीक्षण किया गया। जिसमें दोनों के सकारात्मक वलय पर भारतीय गाय के दूध का सर्वाधिक अच्छा परिणाम पाया गया। उनका सकारात्मक वलय 500 से 600 प्रतिशत बढ़कर दोनों का नकारात्मक वलय 91 प्रतिशत तक घट गया था।

बीयर में सबसे ज्यादा नकारात्मकता

संतरे के रस के सेवन के परिणाम में भी सकारात्मक वलय 358 प्रतिशत बढ़ गया और नकारात्मक वलय 85 प्रतिशत घट गया। 'व्हिस्की', 'बियर' और 'वाइन' आदि नकारात्मक परिणाम करने वाले पेय से 5 मिनट में ही दोनों व्यक्तियों का सकारात्मक ऊर्जा का वलय पूर्णतः नष्ट हो गया। सबसे ज्यादा नकारात्मकता 'बीयर' में पाई गई। बीयर का सेवन करने पर व्यक्ति की नकारात्मकता लगभग 5000 प्रतिशत तक बढ़ गई। उसके बाद रेड वाइन का नकारात्मक परिणाम दिखाई दिया। शोध के दौरान रेड वाइन का सेवन करने वाली महिला का नकारात्मक वलय आधे घंटे में ही 3691 प्रतिशत और पुरुष का 1396 प्रतिशत बढ़ गया ।'कोला' पेय का भी दोनों पर नकारात्मक परिणाम हुआ।

पार्टी में बढ़ा नकारात्मता का स्तर

शोध विषय को लेकर एक और प्रयोग किया गया, जिसमें संगीत, पश्चिमी नृत्य और शाकाहारी खाद्य पदार्थ रखकर एक पार्टी आयोजित की गई। इस पार्टी में 10 लोगों को शामिल किया गया, जिनमें से कुछ व्यक्तियों को एक समान 'अल्कोहल' वाले पेय और कुछ व्यक्तियों को अल्कोहल विरहित पेय दिए गए। उनका सेवन दो घंटों में करना था। जब वलय का निरीक्षण किया गया जो पाया गया कि पार्टी में सम्मिलित प्रत्येक व्यक्ति के वलय की सकारात्मकता पूर्णतः नष्ट हो गई थी। जिन लोगों ने पार्टी में बिना अल्कोहल वाले पेय का सेवन किया था, उनकी सकारात्मकता वहां के संगीत और वातावरण के कारण नष्ट हो गई थी।

बहन की मौत के बाद टूट गए थे साउथ-सुपरस्टार विजय

ब्लॉकबस्टर फिल्म बीस्ट के लिए ली 100 करोड़ फीस

तमिल सुपरस्टार थलपति विजय की नई फिल्म बीस्ट रिलीज हो गई है। जिसे देखने के लिए सिनेमा घरों के बाहर फैन्स की भीड़ उमड़ रही है। थलपति विजय की गिनती साउथ के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर्स में होती है। बताया जा रहा है कि बीस्ट के लिए उन्होंने सौ करोड़ रुपए फीस ली है। फिल्म के रिलीज होने पर लगभग 10 साल के बाद विजय ने टीवी इंटरव्यू दिया है। इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में भी खुलकर बातें की। बचपन में अपनी बहन की मौत के बाद से गुमसुम रहने वाले विजय पहले बातूनी हुआ करते थे। लेकिन बहन की मौत ने उन्हें तोड़ दिया। छोटी बहन की मौत के सालों बाद भी विजय इस हादसे से उबर नहीं पाए हैं। उन्होंने अपने प्रोडक्शन हाउस का नाम भी अपनी उस बहन के नाम पर रखा है।

बहन जिसकी मौत को भूल नहीं पाए हैं विजय

विजय की एक छोटी बहन थीं। उनका नाम विद्या था। विजय को अपनी छोटी बहन विद्या से काफी लगाव था। लेकिन कम उम्र में ही विद्या की मौत हो गई। इस मौत ने विजय को अंदर तक हिला दिया था। उनकी मां ने बताया था कि इस हादसे से पहले विजय काफी नटखट और बातूनी हुआ करते थे। लेकिन अपनी बहन की मौत के बाद वो काफी गुमसुम रहने लगे। आज भी वो पब्लिकली बोलने से बचते हैं। साउथ के इस बड़े स्टार ने 10 साल बाद टीवी इंटरव्यू दिया है।

अपनी उस बहन की याद में थलपति विजय ने विद्या-विजय प्रोडक्शन बनाया है। विजय ने अपनी बेटी का नाम 'दिव्या' रखा है जो उनकी बहन के नाम 'विद्या' से मिलता जुलता है। विजय का प्रोडक्शन हाउस आज साउथ के सबसे बड़ी प्रोडक्शन हाउसों में से एक है। अपने 25 साल के करियर में विजय 60 से ज्यादा फिल्में कर चुके हैं। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट तमिल फिल्मों में काम शुरू किया था।

छात्र को कहा था- 'बहन को खोने का दर्द समझ सकता हूं'

मेडिकल एंट्रेंस NEET में सफल न होने पर तमिलनाडु की एक छात्रा ने सुसाइड कर लिया था। विजय छात्रा के परिवार को सांत्वना देने उसके घर गए थे। इस दौरान उन्होंने छात्रा के भाई से कहा था कि 'मेरी भी एक बहन थी, मैं बहन को खोने का दर्द समझ सकता हूं। मुझे पता है यह कितना दर्दनाक होता है।' उन्होंने छात्रा के भाई का नंबर भी लिया था और भविष्य में सभी तरह की मदद का भरोसा दिया था।

रणबीर-आलिया वेडिंगः रणबीर ने आलिया को मीडिया के सामने गोदी में उठाया, पंजाबी रीति-रिवाज से हुई कपल की शादी

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट शादी के बंधन में बंध गए हैं। मुंबई के पाली हिल स्थित घर 'वास्तु अपार्टमेंट' में दोनों ने पंजाबी रीति-रिवाज से सात फेरे लिए। इससे पहले कपल की हल्दी, चूड़ा सेरेमनी और कुल देवता की पूजा जैसी सभी रस्में हुईं। जिसमें दोनों के फैमिली मेंबर्स, क्लोज फ्रेंड्स और कुछ सेलेब्स ही मौजूद रहे। अब सोशल मीडिया पर '#Mr & Mrs Kapoor' ट्रेंड हो रहा है। शादी के बाद कपल ने घर के बाहर आकर मीडिया के सामने पहली पब्लिक अपीयरेंस दी। इस दौरान रणबीर ने आलिया को गोदी में भी उठा लिया। जिसका वीडियो सामने आया है। कपल अब सिद्धिविनायक मंदिर भगवान गणेश का आशीर्वाद लेने भी जाएंगे।

13 अप्रैल को हुई थी कपल की मेहंदी सेरेमनी

कपल की शादी की रस्में मंगलवार (13 अप्रैल) से शुरू हो गई थीं। 'वास्तु अपार्टमेंट' में ही रणबीर-आलिया की मेहंदी सेरेमनी हुई। इसके बाद रणबीर की मां नीतू कपूर ने वेडिंग डेट अनाउंस की थी। नीतू कपूर और रणबीर की बहन रिद्धिमा ने घर के बाहर पैपराजी से बातचीत के दौरान बताया कि शादी 14 अप्रैल को 'वास्तु अपार्टमेंट' में ही होगी।

मेहंदी सेरेमनी में नीतू कपूर और करण जौहर हुए इमोशनल

मेहंदी में रणबीर की मां नीतू कपूर, बुआ रीमा जैन, बहन रिद्धिमा और आलिया के पिता महेश भट्ट, बहन पूजा, शाहीन और भाई राहुल शामिल हुए। इनके अलावा करीना कपूर खान, करिश्मा कपूर, अरमान जैन, करण जौहर, अनुष्का रंजन, श्वेता बच्चन, निखिल नंदा और अयान मुखर्जी समेत कुछ सेलेब्स भी मेहंदी सेरेमनी में पहुंचे। इस सभी के फोटो और वीडियो वायरल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आलिया को मेहंदी लगाने के बाद करण जौहर रोने लगे थे, क्योंकि वे उन्हें अपनी बेटी मानते हैं। सेरेमनी में नीतू की आंखों में भी पति ऋषि कपूर को याद कर आंसू भर आए। मेहंदी सेरेमनी से पहले दिवंगत ऋषि कपूर और सभी पूर्वजों की याद में पितृ पूजा हुई थी, जिसमें दोनों के फैमिली मेंबर्स शामिल हुए। इसके बाद गणेश पूजा हुई।

शादी के लिए सिक्योरिटी के कड़े इंतजाम

कपल की हल्दी, संगीत जैसी प्री-वेडिंग सेरेमनी और शादी में उनके फैमिली मेंबर्स, क्लोज फ्रेंड्स और कुछ सेलेब्स ही शामिल होंगे। बताया जा रहा है कि इस इंटिमेट वेडिंग में सिर्फ 28 मेहमानों को ही इनवाइट किया गया है। शादी के लिए सिक्योरिटी के कड़े इंतजाम भी किए गए हैं। सिक्योरिटी की जिम्मेदारी मुंबई की बेस्ट सिक्योरिटी फोर्स '9/11' एजेंसी को दी गई है।

मेहमानों के मोबाइल कैमरों पर टेप

वास्तु अपार्टमेंट में आने वाले हर व्यक्ति के मोबाइल फोन के कैमरों को टेप चिपका कर बंद किया जा रहा है, जिससे कोई भी सेरेमनी के फोटोज और वीडियोज लीक न कर सके। शादी में वीआईपी गेस्ट की सुरक्षा और प्राइवेसी के लिए 250 से ज्यादा बाउंसर्स भी तैनात किए जाएंगे। शादी के लिए 'वास्तु अपार्टमेंट' के अलावा 'कृष्णा राज' बंगले, 'RK स्टूडियो' को भी लाइट्स और फूलों से सजाया गया है। इनके फोटोज और वीडियोज भी वायरल हो रहे हैं।

मेन्यू में नेशनल-इंटरनेशनल फूड्स

कपूर फैमिली खाने की बड़ी शौकीन है। यही कारण है कि नीतू कपूर ने अपने बेटे की शादी के लिए दिल्ली और लखनऊ से स्पेशल शेफ्स को हायर किया है। शादी के मेन्यू में नेशनल और इंटरनेशनल फूड्स की वैराइटी होगी। साथ ही दिल्ली की स्पेशल चाट का एक काउंटर होगा। आलिया वीगन हैं, इसलिए शादी में 25 काउंटर्स वीगन और वेजिटेरियन फूड्स के भी होंगे।

दैनिक जीवन की ये सामान्य सी आदतें भी बढ़ा सकती हैं शुगर लेवल

डायबिटीज, आधुनिक समय की सबसे तेजी से बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विशेषकर भारत में पिछले एक दशक में डायबिटीज रोगियों के मामलों में तेजी से उछाल देखा गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक यह सच है कि आपकी उम्र या मधुमेह का पारिवारिक इतिहास, आपमें रोग के विकास की आशंका को बढ़ा सकता है, इसके साथ ही आपको लाइफस्टाइल का भी विशेष ध्यान रखना आवश्यक होता है। हम क्या खाते हैं, किस तरह की जीवनशैली जी रहे हैं, इसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। आपको आश्चर्य हो सकता है कि दैनिक जीवन की छोटी-छोटी आदतें भी ब्लड शुगर को बढ़ाने का कारण बन सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक हम सभी रोजाना जाने-अनजाने कई ऐसी चीजें करते रहते हैं, जो डायबिटीज के खतरे को कई गुना तक बढ़ावा दे सकती हैं। जिन लोगों में पहले से ही डायबिटीज का निदान हो चुका है, उनको विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता होती है। आइए जानते हैं कि दैनिक जीवन की किन आदतों के चलते लोगों में डायबिटीज की जटिलताएं बढ़ सकती हैं, इनपर विशेष ध्यान देते रहने की जरूरत है।

सुबह का नाश्ता न करने की आदत

अगर आपको डायबिटीज की समस्या है तो आहार की गुणवत्ता और समय, दोनों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक हो जाता है। ऐसे रोगियों को ज्यादा समय तक खाली पेट न रहने की सलाह दी जाती है। ऐसे में डायबिटीज की समस्या वाले लोगों के लिए सुबह का नाश्ता बहुत अहम होता है। द जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित अध्ययनों की समीक्षा के निष्कर्ष से पता चलता है कि जो लोग नाश्ता नहीं करते हैं, उनमें मधुमेह होने का अधिक खतरा होता है। रात के करीब 8-10 घंटे के बाद सुबह भी कुछ न खाने से ब्लड शुगर का लेवल बढ़ सकता है।

व्हाइट ब्रेड जैसे रिफाइंड कार्ब्स

रिफाइंड कार्ब्स तेजी से ब्लड शुगर को बढ़ा देते हैं, ऐसे में इनका सेवन आपके लिए काफी नुकसानदायक हो सकता है। इसमें भी अक्सर व्हाइट ब्रेड का सेवन आपकी मुश्किलों को कई गुना तक बढ़ा सकता है। रिफाइंड कार्ब्स वाली चीजों का अधिक सेवन करना आपके ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा सकता है। यदि नाश्ते में आपकी भी अक्सर व्हाइट ब्रेड वाली चीजों को खाने की आदत है तो इसमें तुरंत बदलाव कर लें।

लगातार बैठे रहना है खतरनाक

डायबिटीज रोगियों के लिए शारीरिक सक्रियता का ध्यान रखना बहुत आवश्यक होता है, ऐसे में कंप्यूटर के सामने लगातार बैठे रहने की आदत आपके लिए बड़ी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है। 475, 000 से अधिक लोगों पर किए गए साल 2021 के एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि गतिहीन जीवनशैली वाले लोगों में टाइप-2 डायबिटीज का जोखिम 31 प्रतिशत अधिक होता है।

अकेलापन भी है घातक

पिछले कुछ समय से लोगों में कई कारणों से अकेलेपन की समस्या बढ़ती देखी गई है, इसे सिर्फ मानसिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि डायबिटीज की समस्या के लिए भी हानिकारक माना जाता है। महामारी में लगभग एक वर्ष के बाद, अमेरिकी जनगणना ब्यूरो द्वारा किए गए सर्वेक्षण में पाया गया कि 42 प्रतिशत से अधिक लोगों में चिंता या अवसाद के मामले काफी बढ़ गए हैं। शोध से पता चलता है कि लंबे समय तक अकेलापन भी टाइप-2 डायबिटीज के जोखिमों को बढ़ा सकता है। डायबेटोलोजिया जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने पाया कि अकेले रहने या लोगों से कम मतलब रखने वाले लोगों में टाइप-2 मधमेह के विकसित होने का खतरा अधिक हो सकता है।

दिग्गज गायिका आशा भोसले के बेटे की बिगड़ी तबीयत, दुबई के अस्पताल में भर्ती

बॉलीवुड की मशहूर गायिका गायिका आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले को कथित तौर पर दुबई में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ दिन पहले अचानक जमीन पर गिरने और कुछ चोटों के बाद आनंद को दुबई के एक अस्पताल में ले जाया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आनंद चक्कर आने के बाद जमीन पर गिर पड़े थे।

गायक के बेटे को पहले आईसीयू में भर्ती कराया गया था, लेकिन अब उसे एक कमरे में स्थानांतरित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार जब यह घटना हुई तब आशा भोसले भी दुबई में थीं और उन्होंने वहीं रुकने का फैसला किया है।

एक सूत्र ने मीडिया को बताया कि यह सब अचानक हुआ, जिसकी वजह से परिवार में एक बड़ा डर पैदा हो गया है। मंगेशकर और भोसले के परिवार का हर सदस्य अभी भी लगभग हर दिन दुबई फोन कर आनंद के स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ कर रहा है।

गौरतलब है कि आनंद भोसले आशा के दूसरे बेटे हैं। गायिका के एक और बेटे प्रसिद्ध गायक हेमंत भी थे, जो 2015 में कैंसर की वजह से दुनिया को अलविदा कह गए। इसके अलावा आशा भोलसे की एक बेटी वर्षा भी थी, जिसकी 2012 में मृत्यु हो गई थी।

कंगना की 'धाकड़' के साथ कार्तिक की 'भूल भुलैया 2' की टक्कर

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की अपकमिंग फिल्म 'भूल भुलैया 2' का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर में कार्तिक के साथ राजपाल यादव भी नजर आ रहे हैं। टीजर की शुरुआत में हवेली का ताला टूटता है और 'आमी जे तोमार' सॉन्ग बजता है। फिर घुंघरू की आवाज और चुड़ैल नजर आती है। गले में रुद्राक्ष की माला, सिर पर गमछा और कुर्ता पायजामा पहने कार्तिक चुड़ैल को भगाने के लिए जाते हैं। उनके साथ राजपाल यादव धुंआ उड़ाते दिखाई देते हैं। मेकर्स ने टीजर रिलीज करते हुए बताया कि ये फिल्म 20 मई 2022 को रिलीज होगी।

खास खबर

एक दर्जन स्कूलों के 24 कोरोना वारियर्स शिक्षक सम्मानित

रायपुर। राजधानी के ख्यातलब्ध स्कूलों में से एक बालाजी स्कूल देवेंद्रनगर में कोरोना वारियर्स अध्यापकों का सम्मान समारोह रखा गया. इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव आइएएस डॉ. आलोक शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. जबकि अध्यक्षता आंध्रा एसोसिएशन तथा स्कूल समिति के अध्यक्ष जी.स्वामी ने की. कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन से हुई तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत व सम्मान स्कूल समिति के अध्यक्ष जी.स्वामी, सचिव के एस आचार्यलू, उपाध्यक्ष टी निवासराव, संयुक्त सचिव वाय सी राव, एम निवास राव, डी अनंता, पी अमित नायडू, बी वी एस राजकुमार, बी रोहित इत्यादि ने किया. तत्पश्चात स्कूल विदयार्थियों ने स्वागत गान प्रस्तुत किया. इसके बाद 24 से अधिक शिक्षक—शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया. उन्हें शाल, फल और नारियल देकर अभिनंदन किया गया. लगभग एक दर्जन से अधिक स्कूलों के शिक्षकों का चयन किया गया था जिन्होंने कोरोनाकाल में भी समाजसेवा की या विदयार्थियों को नि:शुल्क आनलाइन पढ़ाया. बालाजी स्कूल की प्राचार्य डॉ.फेन्नी को विशिष्ट सेवाओं के लिए एक लाख रूपये का नगद पुरस्कार भी दिया गया. सम्मानित शिक्षकों को संबोधित करते हुए प्रमुख सचिव आइएएस डॉ. आलोक शुक्ला ने कहा कि मैं बचपन में एक शिक्षक के सामने बोलने में हिचकिचाता था मगर यहां तो कई शिक्षक मौजूद हैं. उन्होंने सभी को अपनी शुभकामनाएं दी।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया

रायपुर। जैन धर्म के 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव आज बड़े धूमधाम से मनाया गया सुबह शोभायात्रा दिगंबर जैन मंदिर मालवीय रोड से निकलकर सदर बाजार जैन मंदिर होते हुए सत्ती बाजार तात्या पारा बढ़ाई पारा रामसागर पारा राठौर चौक गुरुनानक चौक होते हुए दादाबाड़ी एमजी रोड पहुंची, वहां पर भगवान का अभिषेक शांतिधारा पूजन की गई जिसमें प्रथम चार इंद्र बनने का सौभाग्य महेंद्र कुमार जैन चूड़ी वाला परिवार प्रदीप जैन दैनिक विश्व परिवार पुष्पेंद्र जीवन लाल जैन टैगोर नगर आनंद कुमार अनिल कुमार जैन बाबूलाल टॉकीज परिवार को प्राप्त हुआ, भगवान को रथ में विराजमान करने का सौभाग्य अनूप जैन नगर एवं सारथी का सौभाग्य डॉक्टर देवकुमार जैन को प्राप्त हुआ , आज की शांति धारा संजय दीप्ति अरहंन अनुज्ञा जैन प्रेमी परिवार को मिला उपरोक्त जानकारी देते हुए संस्था के अध्यक्ष संजय नायक जैन एवं सचिव राजेश रज्जन जैन ने बताया की कार्यक्रम सकल जैन समाज की उपस्थिति में सानंद संपन्न हुआ।

अंबेडकर चौक में लगेगी बाबा साहेब की 20 फीट ऊंची नई प्रतिमा

बाबा साहेब ने दलितों, शोषितों और वंचितों के लिए समर्पित किया जीवन : भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अंबेडकर चौक में आयोजित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह में शामिल हुए। यहां उन्होंने मंगल भवन के लिये 50 लाख रूपये और देवेन्द्रनगर स्थित बौद्ध विहार में ऑडिटोरियम निर्माण के लिए 50 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की । इसके साथ ही उन्होंने अंबेडकर चौक में नगर निगम द्वारा बाबा साहेब की 20 फ़ीट ऊंची नई प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर ने दलित, शोषित और वंचितों के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। वे जन्म से लेकर मृत्युपर्यंत दलितों के उद्धार में लगे रहे। उन्होंने सामाजिक दंश झेलने के

बावजूद भी उच्च शिक्षा प्राप्त की और समाज की सेवा और उत्थान में जुड़ गए ।

बाबा साहेब अंबेडकर ने मंत्र दिया कि 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' । शिक्षा ही हमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों का भान कराती है। जब हमें अपने कर्तव्य का भान होता है, हम अपनी उपेक्षा के विरुद्ध सोचते हैं, यही विचार हमें संघर्ष की प्रेरणा देती है और संघर्ष संगठित होकर ही किया जाता है। बाबासाहेब का दिया संविधान हमें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समानता का अवसर देता है। इस संविधान के चलते हमें आरक्षण मिला। बाबा साहेब न होते तो समाज वर्ग विभाजन के ऊपर नहीं उठ पाता। उन्होंने हमें दुनिया का सबसे अच्छा संविधान दिया, जिसने शिक्षा, समानता और नौकरी का अधिकार दिया है।

बाबा साहेब के रास्तों पर चलते हुए हमारी सरकार ने जाति प्रमाण पत्र का सरलीकरण किया है। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां यदि माता-पिता के पास जाति प्रमाण पत्र है तो बच्चे को पैदा होते ही उसका जाति प्रमाण पत्र दे दिया जाता है। बाबा साहेब ने शिक्षा को सबसे ज्यादा महत्व दिया। उनकी नीति को आत्मसात करते हुए हमने आज लिए निर्णय में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल जहां बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में उत्कृष्ट शिक्षा दी जाती है, वहां कक्षा में प्रवेश 40 से बढ़ाकर 50 बच्चों की व्यवस्था करने के निर्देश दिये हैं ।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य कर एवं आबकारी मंत्री श्री कवासी लखमा, नगरीय प्रशासन मंत्री श्री शिव डहरिया, छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री गिरीश देवांगन, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष श्री पंकज शर्मा , रायपुर महापौर श्री ऐज़ाज़ ढेबर, गुरू घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के अध्यक्ष श्री के पी खांडे एवं अंबेडकर समारोह आयोजन समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

शहरी गौठान कोसा नगर में महिला समूह आर्थिक स्तंभ के रूप में ले रहा आकार

समूह वर्मी कंपोस्ट खाद, केंचुआ, मछली पालन व अगरबत्ती आदि बनाकर बढ़ा रहा आय

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महापौर नीरज पाल के निर्देश के बाद निगम प्रशासन शहरी गौठान में आजीविका के अवसर बढ़ रहा है। इसके तहत भिलाई निगम के शहरी गौठान, कोसा नगर में छग शासन की चार महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी सहित गोधन न्याय योजना अपना आकार ले रही है। वहीं यहां आजीविका के साधन को भी बढ़-चढ़कर महत्व दिया जा रहा है। गौठान में आवारा मवेशियां पल रही हैं। स्व सहायता समूह की महिलाएं रोजगारोन्मुखी कार्य कर आत्म स्वावलंबन की डगर पर चल पड़ी हैं।

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे के निर्देश पर आयुक्त प्रकाश सर्वे गौठान को सर्वसुविधायुक्त बनाने लगातार निरीक्षण का मॉनिटरिंग भी करते रहते हैं। समूह की महिलाओं को नवाचार का प्रयोग कर आर्थिक रूप से सक्षम बनाने साधन भी उपलब्ध कराते आ रहे हैं। गौठान परिसर में 120 गौ माता सहित बछिया को रखा गया है। समूहों द्वारा पोषित चरवाहा के जरिए इन मवेशियों का बेहतर देखभाल किया जा रहा है। परिसर में ही हरा चारा उपलब्ध कराने नेपियर घास उगाई गई है।

मवेशियों के गोबर को इकट्ठा कर खाद बनाया जा रहा है। वर्मी कंपोस्ट खाद उत्पादन: नई उड़ान क्षेत्र स्तरीय संगठन जोन एक की समूह की महिलाएं गोबर से खाद बनाने में जुटी हुई हैं। निगम द्वारा बनाई कई टंकियों में गोबर को सड़ाकर रखा जा रहा है। उसके बाद कई प्रक्रियाओं के बाद छानकर वर्मी कंपोस्ट खाद बनाया जा रहा है। समूह की महिलाएं प्रति माह 10 टन वर्मी कंपोस्ट खाद का निर्माण कर रही हैं। अब तक इनके द्वारा करीबन 150 टन खाद की बिक्री की जा चुकी है। गोबर खरीदी: समूह की महिलाएं प्रतिदिन आसपास के लोगों से 2 रूपए किलों में गोबर की खरीदी जा रही है। प्रतिदिन गौ पालक स्वयं शहरी गौठान में आकर गोबर बेच रहे हैं।

इस बिक्री से उसे अच्छी खासी आय भी हो रही है। केंचुआ पालन: गौठान में केंचुआ पालन को भी महत्व दिया जा रहा है। यहां प्रतिमाह 70 किग्रा केंचुआ का उत्पादन किया जा रहा है। इसकी डिमांड मछली पालन व स्थानीय लोगों में मिट्टी को उर्वरा शक्ति बनाने के लिए किया जा रहा है। गोबर कंडा व लकड़ी निर्माण गोबर से कंडा व लकड़ी का निर्माण भी बड़ी मात्रा में किया जा रहा है। इसका उपयोग निगम क्षेत्र व आसपास के मुक्तिधामों में शवों को दहन करने में किया जा रहा है। इसके निर्माण से महिलाओं को खासा फायदा हो जा रहा है।

अगरबत्ती निर्माण जीवन ज्योति स्व सहायता समूह कोहका की महिलाएं अगरबत्ती निर्माण कर रही हैं। गोबर व काली मिट्टी को छानकर पावडर बनाया जा रहा है। इसके व बंबु स्टीक से अगरबत्ती बनाई जा रही है। प्रतिदिन 5 से 8 किग्रा अगरबत्ती का निर्माण किया जा रहा है। इसकी आपूर्ति आसपास के मंदिरों व स्थानीय लोगों सहित धनोरा दुर्ग में है।

फूलों से साबुन व गुलाल निर्माण परिसर में मां गायत्री स्व सहायता समूह सुपेला की महिलाएं मंदिरों से निकले फूलों से साबुन व हर्बल गुलाल बना रही हैं। फूलों की पंखुडियों को सूखाकर, फूलो से साबुन बनाना भी शुरू किया गया है। होली के दिनों में 100 किलो गुलाल बनाया गया था, जिसकी मांग निगम व स्थानीय लोगों में रही। वही वर्तमान में नगपुरा के एक स्थानीय व्यापारी ने 20 किलो गुलाल आपूर्ति करने आर्डर दिया है।

ई-फार्मेसी के चलते देश के करोड़ों रिटेल केमिस्टों का व्यापार बुरी तरह प्रभावित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्र सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मीड़िया प्रभारी संजय चौंबे ने बताया कि देश में अनेक बड़े विदेशी और देसी कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा की जा रही ऑनलाइन फ़ार्मेसी द्वारा ड्रग एवं कॉस्मैटिक क़ानून की लगातार अवहेलना करते हुए आपूर्ति की जा रही दवाइयों ने न केवल देश के करोड़ों थोक और खुदरा केमिस्टों के व्यापार को बुरी तरह प्रभावित किया है बल्कि उपभोक्ता विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण भारतीय उपभोक्ताओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य को खतरे में डालते जा रहे हैं। इस मुद्दे पर कन्फ़ेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मंडाविया से इस महत्वपूर्ण मुद्दे को तत्काल प्रभाव से संज्ञान में लेने का आग्रह किया है। इस विषय की गंभीरता को देखते हुए कैट ने मई 2022 के पहले सप्ताह में देश के विभिन्न राज्यों की प्रमुख केमिस्ट एसोसिएशनों का एक राष्ट्रीय सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित करने का निर्णय लिया है। सम्मेलन इस मुद्दे पर भविष्य की कार्रवाई तय करेगा और इस बीच कैट का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मंडाविया और वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल से मुलाकात करेगा और उन्हें देश में ई-फार्मेसियों के नियम एवं क़ानून के स्पष्ट उल्लंघन के बारे में अवगत कराएगा।

कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी ने कहा की देश में दवाओं का निर्माण, आयात, बिक्री और वितरण औषधि और प्रसाधन सामग्री क़ानून और नियमों द्वारा नियंत्रित होता है। इस अधिनियम के नियम कड़े हैं और न केवल प्रत्येक आयातक, निर्माता, विक्रेता या दवाओं के वितरक के लिए एक वैध लाइसेंस होना अनिवार्य है, बल्कि यह भी अनिवार्य है कि सभी दवाओं को केवल एक पंजीकृत फार्मासिस्ट द्वारा ही दिया जाए। हालांकि, ई-फार्मेसी मार्केटप्लेस हमारे देश के कानून की खामियों का दुरुपयोग कर रहे हैं और बिना डॉक्टर के पर्चे के दवाएं बेचकर और पंजीकृत फार्मासिस्ट के बिना दवाओं का वितरण करके निर्दोष भारतीय उपभोक्ताओं के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ई-फार्मेसी, टाटा 1एमजी, नेटमेड्स और अमेज़ॅन फार्मेसी जैसे ई-फार्मेसी मार्केटप्लेस इन घोर उल्लंघनों में सबसे आगे हैं और इन के मनमाने रवैये पर जल्द अंकुश लगना चाहिए।

श्री पारवानी और श्री दोशी ने कहा कि सरकार को केवल उन्हीं ई-फार्मेसियों को अनुमति देनी चाहिए जिनके पास ऐसी दवाएं हैं जिन्हें ई-फार्मेसी पर बेचने की अनुमति है और इसके अतिरिक्त सभी शेष ई-फार्मेसी को बंद करने के निर्देश देने चाहिए। साथ ही, किसी भी व्यक्ति को ई-फार्मेसी इकाई और उपभोक्ता के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के लिए वेब पोर्टल स्थापित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

प्रदेश महामंत्री व महापौर ने किया भूमिपूजन

गंदा पानी हो रहा था जाम, 160 मीटर नाली से होगा समाधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। मरोदा कैंप वार्ड 14 लंगूर मैदान के निकट 160 मीटर नाली निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 4 लाख खर्च किया जाएगा। शुक्रवार को महापौर शशि अशोक सिन्हा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव जितेन्द्र साहू व सभापति केशव बंछोर ने भूमिपूजन किया।

वार्ड 14 के घनी आबादी वाले क्षेत्र में कच्चा नाली होने की वजह से घरों से निकलने वाला गंदा पानी ठहर जा रहा है। बदबू और मच्छर से आस पास के नागरीक परेशान हो रहे है।

वार्ड पार्षद सरिता देवांगन के प्रयास से नाली बनाने का कार्य स्वीकृत हुआ। भूमिपूजन कार्यक्रम मे एमआईसी सदस्य विलास राव बोरकर, ईश्वरी साहू, छाया पार्षद सोमनाथ यादव समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

सड़क में नहीं बहेगा पानी

आधा कच्चा व पक्का नाली होने की वजह से नाली का गंदा पानी आधे बीच में जमा हो रहा था। उपअभियंता डिगेश्वरी ने बताया कि इस कार्य में पुराने बने नाली को तोड़कर एक लेबल देकर नाली निर्माण करने से समस्या खत्म जो जाएगी। साथ ही सड़क में पानी भरने की शिकायत नहीं होगी।

इसी हफ्ते 2 और नई टंकियों से भी पानी भरा जाएगा

11 एमएलडी की नई टंकी से भी मिलने लगा पानी धीरे धीरे अमृत मिशन फेस 1 पूर्णता की ओर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । नगर पालिक निगम दुर्ग शासन की महती योजना अमृत मिशन के तहत् नगर निगम दुर्ग क्षेत्र में कार्य तेजी से जारी है । जिसके तहत् शहर की पूरी आबादी को पेयजल संकट से निजात दिलाने लगातार प्रयास किया जा रहा है । शहर विधायक अरुण वोरा व महापौर धीरज बाकलीवाल योजना की प्रगति की लगातार जानकारी ले रहे हैं।

वहीं योजना के तहत् जल प्रदाय किये जाने के कार्यो की निरंतर मॉनिटरिंग निगम आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देश पर तकनीकी विशेषज्ञो के साथ निगम के अधिकारी कर रहे है। योजना के पूर्ण हो जाने पर शहर की शत-प्रतिशत् आबादी को ग्रीष्म काल में भी पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध हो सकेगा ।

साथ ही इस योजना के क्रियान्वयन से दुर्ग शहर टैंकर मुक्त हो गया है । अमृत मिशन योजना के तहत् शहर में कुल 6 टंकियो का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है, जिनमें से सभी पानी टंकियो का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है । वर्तमान में गिरधारी नगर, ट्रांसपोर्ट नगर, हनुमान नगर की पानी टंकियो से निगम प्रशासन द्वारा पानी की लगातार सप्लाई की जा रही है । जिससे शहर के पटरीपार क्षेत्र की आधी आबादी को लाभ मिल रहा है । वही जलगृह परिसर एवं पुलगांव पानी टंकी से पानी टेस्टिंग का कार्य जारी है । जल्द ही इन टंकियो से भी पानी की सप्लाई प्रारंभ कर दी जावेगी ।

अमृत मिशन योजना के तहत् जल प्रदायगी के साथ-साथ जल के शुद्धिकरण कार्य विशेष ध्यान रखा जा रहा,11 एमएलडी फिल्टर प्लांट में निर्मित नई पानी टंकी में पानी टेस्टिंग का कार्य कर पानी की सप्लाई कर प्रारंभ कर दी गई है। जिससे तहत वार्ड 24 दीपक नगर आमदी मंदिर वार्ड ,वार्ड 25 गायत्री मंदिर,वार्ड 26 संतरा बाड़ी, वार्ड 27 पोलसाय पारा के लगभग 20 हज़ार लोग लाभान्वित होंगे।

YOGESH COMPUTER Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing
Printer
Desktop
7/2, Dakshin Gangotri, Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI, Oppo, Vivo, Nokia, HTC, Blue tooth Charger, Power Bank, Ear Phone, BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

कई मामलों में फरार आरोपी धारदार हथियार के साथ पकड़ा गया

बिलासपुर (ए)। सरकंडा पुलिस ने मारपीट समेत कई मामलों में फरार आरोपित को धारदार हथियार और नौ लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया है। सरकंडा थाना प्रभारी परिवेश तिवारी ने बताया कि बुधवार की शाम सूचना मिली कि मारपीट समेत कई मामलों में फरार आरोपित धीरेंद्र वैष्णव बहतराई रोड में धारदार चाकू लेकर आने जाने वालों को धमकियां दे रहा है। इस पर पुलिस की टीम ने मौके पर दबिश देकर आरोपित को पकड़ लिया। आरोपित युवक के कब्जे से चाकू जब्त किया गया। पूछताछ में पता चला कि आरोपित युवक अपने घर से महुआ शराब की बिक्री करता है। तलाशी के दौरान उसके घर से नौ लीटर महुआ शराब जब्त की गई। उसके खिलाफ 19 वर्षीय युवती ने गाली-गलौज की शिकायत की है। इसके अलावा मारपीट के मामले भी दर्ज हैं। इन मामलों में धीरेंद्र फरार चल रहा था। पुलिस ने चार मामलों में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद, चचेरे भाइयों ने की मारपीट

बिलासपुर (ए)। मंगला में पैतृक संपत्ति के विवाद में रिश्तेदारों ने पंप आपरेटर और उसके परिवार पर हमला कर दिया। घायल पंप आपरेटर ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। मंगला के पटेल पारा में रहने वाले दिलीप पटेल पुलिस कल्याण पेट्रोल पंप में आपरेटर हैं। उनके पिता पारिवारिक विवाद के कारण अलग रहते हैं। उनकी मां ने संपत्ति के लिए न्यायालय में परिवाद दायर किया है। उनकी मां के भरण पोषण का भी मामला न्यायालय में चल रहा है। पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर उनके चाचा और चचेरे भाई आए दिन विवाद करते हैं। बुधवार की रात नौ बजे दिलीप के घर चचेरे भाई रोहन और कोमल आए और गाली-गलौज करने लगे। इसका विरोध करने पर उन्होंने और रिश्तेदारों को बुलाकर आपरेटर और उनके भाई दीपक से मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसे देख उनकी मां शिवकुमारी और पत्नी द्रोपती बीच-बचाव करने लगीं। मारपीट से दीपक और उनकी मां शिवकुमारी को चोटे आई है। घायल ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

घर के सामने बाइक खड़ा करने से मना करने पर की पिटाई, तोड़फोड़ भी की

बिलासपुर (ए)। घर के सामने बाइक खड़ी करने से मना करने पर युवकों ने श्रमिक की पिटाई कर दी। साथ ही उसकी बाइक को भी तोड़ दिया। मारपीट से आहत ने इसकी शिकायत तोरवा थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। तोरवा के देवरीखुर्द अटल आवास में रहने वाले रामगोपाल बरगाह रोजी-मजदूरी करते हैं। बुधवार की रात आठ बजे वे अपने घर में थे। इसी दौरान मोहल्ले में रहने वाले निलेश और झिथरा ने अपनी बाइक को उनके घर के सामने खड़ा कर दिया। रामगोपाल ने उन्हें घर के सामने से बाइक हटाने के लिए कहा। इसी बात को लेकर युवकों ने जान से मारने की धमकी देते हुए उनकी पिटाई कर दी। साथ ही घर के सामने खड़ी उनकी बाइक को भी तोड़ दिया। मारपीट से आहत ने इसकी शिकायत तोरवा थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

10 करोड़ से ज्यादा के पोस्ट ऑफिस घोटाले के आरोपी को मध्य प्रदेश से रायपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ प्रदेश में 10 करोड़ रुपये से ज्यादा के पोस्ट ऑफिस घोटाले के सह आरोपित प्रीतम सिंह ठाकुर (42) को रायपुर पुलिस की टीम ने मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के चौरई से घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। वह पिछले एक साल से फरार चल रहा था। गुरुवार को उसे रायपुर कोर्ट में पेशकर जेल भेज दिया गया। घोटाले का मुख्य मास्टर माइंड भूपेंद्र पांडेय ने पिछले साल अप्रैल महीने में बिलासपुर में रेलवे ट्रैक पर खुदकुशी कर ली थी। जबकि उसकी पत्नी आकांक्षा पांडेय अब तक पुलिस की गिरफ्त से दूर है। पुलिस टीम अब उसकी तलाश में जुटी हुई है।

सरस्वतीनगर पुलिस थाना प्रभारी अमित तिवारी ने बताया कि वर्ष 2014 से 2021 तक आरोपित भूपेंद्र पांडेय, उसकी पत्नी आकंक्षा पांडेय ने रविशंकर विश्वविद्यालय स्थित डाकघर का एजेंट बताकर विश्व विद्यालय के प्रोफेसर, वकील, अफसर और कुछ नेताओं को झांसे में लेकर सहकर्मी मूलत: मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के चौरई निवासी प्रीतम सिंह ठाकुर के जरिए करीब दस करोड़ रुपये से ज्यादा वसूले थे। सभी को दंपत्ति ने यह बताया था कि डाकघर में पैसे एफडी कर दिए है लेकिन बाद में पता चला कि 50 से अधिक लोगों के पैसे डाकघर में जमा ही नहीं हुए। आरोपितों ने फर्जी पासबुक, एफडी के दस्तावेज तैयार कर डाकघर का फर्जी सील ठप्पा लगाकर सभी को दिया था।

खुदकुशी के बाद फूटा घोटाला

तीन अप्रैल 2021 को घोटाले के मास्टर माइंड भूपेंद्र पांडेय की बिलासपुर के रेलवे ट्रैक पर लाश मिली तब पैसा देने वाले लोगों के सामने फर्जी एफडी का घोटाला सामने आया। भूपेंद्र की पत्नी आकांक्षा पांडेय भी इस घोटाले में शामिल थी। भूपेंद्र पांडेय की मौत की खबर सुनकर उसके पास पैसा जमा करवाने वाले एक-एक ग्राहक बैंक और डाकघर पहुंचे तब वहां उन्हें पता चला कि पांच साल से उनके खाते में एक पैसे जमा नहीं किए गए थे। भूपेंद्र के पास पैसे जमा कराने वाले ग्राहकों ने अपनी पासबुक और एफडी के दस्तावेज दिखाए। डाकघर में उन सभी दस्तावेजों को फर्जी करार देकर उन्हें लौटा दिया। इस बीच आकांक्षा भी गायब हो गई। उसका मोबाइल भी बंद हो गया है, जबकि वह भूपेंद्र के साथ वह भी एजेंट का काम करती थी। भूपेंद्र और उसकी पत्नी के पास डाकघर की पालिसी लेकर पैसा जमा करवाने वाले ज्यादातर अफसर और प्रोफेसर भूपेंद्र की मौत हो जाने की वजह से पुलिस के सामने आने से हिचक रहे थे।

फर्जी पासबुक और सील बनाने का आरोप

जांच में पता चला कि भूपेंद्र ने पासबुक और अन्य दस्तावेज फर्जी बनाया था। हालांकि उसने जैसी पासबुक और सील बनायी है, उसे देखकर कोई भी नकली नहीं कह सकता। पासबुक के पन्नो, कवर और सील-मोहर बिलकुल असली की तरह है। डाकघर की सील देश में केवल एक ही जगह बनती है। इसे बाहर कहीं भी नहीं बनाया जा सकता। डाकघर की सील-मोहर को चोरी कर उसका उपयोग किया गया था क्योंकि स्याही डाकघर की थी। पुलिस ने डाकघर के कुछ कर्मचारियों को भी संदेह के दायरे में रखकर पूछताछ की लेकिन उनसे कोई खास जानकारी नहीं मिली।

छत्तीसगढ़ में गुजरात के ट्रांसपोर्टर की अगवा कर हत्या

ट्रक ड्राइवर ने मार कर ओडिशा के जंगल में फेंका शव, पश्चिम बंगाल से पकड़ाया

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर से गुजरात के एक ट्रांसपोर्टर को अगवा करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने शुक्रवार सुबह उसका शव ओडिशा में राउरकेला और झारसुगड़ा के बीच बरामद कर लिया है। इससे पहले बिलासपुर पुलिस की सूचना पर पश्चिम बंगाल पुलिस ने मालदा से आरोपी ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार किया था। फिलहाल पुलिस आरोपी ट्रक ड्राइवर को मौके पर लेकर रवाना हो गई है। वारदात चकरभाठा थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, गुजरात में कच्छ के गडसिला निवासी अब्दुल रजाक ट्रांसपोर्टर हैं। वह पिछले दो-ढाई महीने से बिलासपुर के सिरगिट्टी स्थित गिरनार लॉजिस्टिक में कपड़े लेकर आ रहे थे। उनके साथ बेटा मो. अकरम (22) भी ट्रांसपोर्टिंग करता है। अकरम 8 अप्रैल को ट्रक लेकर माल खाली करने बिलासपुर आया था। यहां दोपहर 3 बजे वह पहुंचा और शाम 5 बजे तक ट्रक खाली किया। इसके बाद पिता अब्दुल ने उसे रात रास्ते में पेट्रोल पंप में रुक कर रात बिताने की बात कही और सुबह भाटापारा जाने के लिए बोला था।

अगले दिन 9 अप्रैल की सुबह करीब 6 बजे जब उन्होंने अकरम के मोबाइल पर कॉल किया तो वह स्विच ऑफ था। इसके बाद से लगातार बेटे से संपर्क करने का प्रयास करते रहे, लेकिन नहीं हो सका। इस पर उन्होंने अपने भाई और परिजन को इस घटना की जानकारी दी। फिर सभी अगले दिन 10 अप्रैल को बिलासपुर पहुंचे। इससे पहले ही रास्ते में उनके मोबाइल पर अलग-अलग जगह व दूसरे राज्य की लोकेशन पर फास्टैग से रुपए कटने का मैसेज आया। इस पर उन्हें अपहरण की आशंका हुई और पुलिस में शिकायत की।

भाटापारा से रायगढ़ और ओडिशा होते हुए पश्चिम बंगाल गया ट्रक

ट्रांसपोर्टर अब्दुल रज्जाक के मोबाइल पर आए मैसेज से पता चला कि ट्रक पहले भाटापारा के मोहदा में था, लेकिन फिर रायगढ़ की ओर नेशनल हाईवे से होता हुआ ओडिशा के टोल को क्रॉस करता पश्चिम बंगाल पहुंच गया है। इसके बाद पुलिस की अलग-अलग टीमों को लोकेशन के आधार पर सर्चिंग के लिए भेजा गया। पश्चिम बंगाल पुलिस से भी संपर्क किया। इसके बाद बुधवार को पश्चिम बंगाल की मालदा पुलिस ने ड्राइवर को पकड़ लिया। नाकाबंदी देख आरोपी ड्राइवर ट्रक को लॉक कर भागने की फिराक में था।

ड्राइवर बोला- मारकर राउरकेला के जंगल में फेंका

मालदा पुलिस की पूछताछ में रायपुर निवासी आरोपी ड्राइवर पप्पू सरदार उर्फ सुरजीत सिंह ने मो. अकरम की हत्या कर राउरकेला और झारसुगड़ा के बीच जंगल में फेंकने की जानकारी दी थी। वह पुलिस को गोलमोल जवाब भी दे रहा है। यही वजह है कि पुलिस पहले उसकी बातों पर भरोसा नहीं कर रही थी। हालांकि बयान की तसल्ली के लिए ओडिशा पुलिस को भेजा गया, जिसके बाद शव बरामद हो गया है। अब पुलिस आरोपी ड्राइवर को लेकर जा रही है।

नगर निगम के सभापति शेख नजीरुद्दीन ने की मदद

ट्रांसपोर्टर के पिता अब्दुल रजाक ने बताया कि दो माह पहले ही आरोपी ड्राइवर उन्हें बिलासपुर में मिला था और मदद मांगी थी। उसका ड्राइविंग लाइसेंस देखकर काम पर रख लिया था। क्या पता था कि जिसकी मदद वह कर रहा है वह इस तरह से दगाबाजी करेगा। अब्दुल ने बिलासपुर नगर निगम के सभापति शेख नजीरुद्दीन से मदद मांगी, तब उन्हें लेकर वे एसपी पारुल माथुर के पास पहुंचे। उन्होंने चकरभाठा थाने में गुम इंसान दर्ज करने के निर्देश दिए। साथ ही जानकारी जुटाकर तलाश शुरू की।

पैसे डबल करने का झांसा दे 50 हजार ठगे

मंदिर में पूजा करवाई, थमाया बैग, कहा- 14 दिन बाद खोलना, जब खोला तो सब नकली

कोंडागांव (ए)। कोंडागांव जिले में पुलिस ने पूजा-पाठ का कर पैसे डबल करने का झांसा देने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी लोगों को 14 दिन में पैसे डबल करने का झांसा देता था। और असली नोट लेकर उसकी जगह नकली नोट थमाता था। जिले के एक युवक के साथ हुए फ्रॉड के बाद इस मामले का खुलासा हुआ है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि वह नकली नोट कहां से लाता था इसकी जानकारी पुलिस को भी नहीं है। मामला फरसगांव थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, 8 मार्च को कोंडागांव जिले के एक युवक जोगेंद्र नेताम (36) ने अपने साथ हुए 50 हजार रुपए के फ्रॉड की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसने पुलिस को बताया था कि कोंडागांव के मेले में उसकी दो युवकों से पहचान हुई थी। उन्होंने पूजा पाठ कर रिद्धि-सिद्धि से 2 सप्ताह में 50 हजार रुपए का 2 करोड़ करने का दावा किया और अपने जाल में फंसाया। जोगेंद्र इनकी बातों में आ गया। आरोपियों ने इसे फरसगांव के पास जटायु टेकरी के पास स्थित शिव मंदिर में बुलाया। यहां पर पूजा पाठ का पूरा बंदोबस्त कर रखा था। करीब 2 घंटे तक विशेष पूजा पाठ किए। फिर युवक से 50 हजार लिए गए। जिसके बाद उसे एक नोटों से भरा बैग लौटाया और कहा कि इसे 14 दिन के बाद खोलना। इसमें से 2 करोड़ निकलेंगे। आरोपियों के कहे अनुसार जब युवक ने 14 दिन के बाद बैग खोला तो उसमें से 50 हजार रुपए नकली नोट निकले। युवक ने आरोपियों को जब फोन लगाया तो उनका फोन बंद आया। जिसके बाद युवक को पता चला कि उसके साथ फ्रॉड हुआ है। युवक ने इस मामले की शिकायत पुलिस थाना में की।

कोंडागांव के एसपी दिव्यांग पटेल ने मामले को गंभीरता से लिया और कोंडागांव के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। जिसमें 2 आरोपी, युवक के साथ नजर आए थे। वहीं फुटेज के आधार पर ही आरोपी का पता लगाया गया। जिसमें पता चला कि एक आरोपी दुजराम बांधे बालोद जिले का रहने वाला है। कोडागांव पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिए बालोद गई। जहां उसे उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया।

फांसी से लटका मिला महिला का शव: सुसाइड नोट में लिखा- पति की प्रताड़ना से तंग आ गई हूं, इसलिए खुदकुशी कर रही हूं

भिलाई (ए)। दुर्ग जिले में एक महिला ने गुरुवार को फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। महिला के शव के पास से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है। उसमें पति से मानसिक रूप से प्रताड़ित होने के चलते खुदकुशी करने की बात कही गई है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पति-पत्नी के संबंधों को लेकर पूछताछ कर रही है। मामला खुर्सीपार थाना क्षेत्र का है। खुर्सीपार टीआई दुर्गेश शर्मा ने बताया कि गुरुवार को सूचना मिली कि शिवजी नगर चर्च लाइन 11 खुर्सीपार में एक महिला ने खुदकुशी कर ली है। सूचना पर पहुंचे तो वहां रहने वाली महिला रत्ना निषाद (34) पत्नी गजाधर निषाद का शव उसके ही मकान में फंदे से लटका मिला है। इसके बाद शव को नीचे उतरवाया। मामले में फिलहाल मर्ग दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि कमरे की तलाशी के दौरान एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। इसमें रत्ना ने पति गजाधर निषाद पर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। साथ ही यह भी लिखा है कि पति की प्रताड़ना से तंग आकर वह आत्महत्या करने जैसा कदम उठा रही है। इस मामले में भी परिजनों और आसपास के लोगों से जानकारी जुटा रहे हैं।

बिजली बंद होने पर सुधारने गए कर्मचारियों से मारपीट

बिलासपुर (ए)। बुधवार की बिजली गुल होने पर सुधारने गए बिजली कंपनी के कर्मचारियों के साथ सिंधी कालोनी के युवकों ने मारपीट की। साथ ही उनके वाहन में तोड़फोड़ भी की। मामले की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने जुर्म दर्ज कर जांच में लिया है। कोतवाली क्षेत्र के गोंडपारा में रहने वाले अंकित श्रीवास्तव निजी कंपनी में सुपरवाइजर हैं। उनकी कंपनी सीएसपीडीसीएल में काल सेंटर का काम देखती है। बुधवार की रात काल सेंटर में सूचना मिली कि सिंधी कालोनी स्थित झूलेलाल भवन के पास ट्रांसफार्मर में खराबी आ गई है।

इसके कारण क्षेत्र में बिजली कट हो गई है। सूचना पर कंपनी के कर्मचारी जय साहू और करण यादव बिजली सुधारने के लिए पहुंचे। इस दौरान झूलेलाल भवन के पास रहने वाले सैंकी सोनी और लाला सोनी ने कर्मचारियों से गाली-गलौज की। इसका विरोध करने पर युवकों ने कर्मचारियों से मारपीट की। साथ ही उनके वाहन को भी तोड़ दिया। कंपनी के सुपरवाइजर ने मामले की शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

-:: हनुमान चालिसा ::-

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर। जय कपीस तिहुं लोक उजागर।।
रामदूत अतुलित बल धामा। अंजनि-पुत्र पवनसुत नामा।।
महाबीर बिक्रम बजरंगी। कुमति निवार सुमति के संगी।।
कंचन बरन बिराज सुबेसा। कानन कुंडल कुंचित केसा।।
हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै। कांधे मूंज जनेऊ साजै।
संकर सुवन केसरीनंदन। तेज प्रताप महा जग बन्दन।।
विद्यावान गुनी अति चातुर। राम काज करिबे को आतुर।।
प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया। राम लखन सीता मन बसिया।।
सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा। बिकट रूप धरि लंक जरावा।।
भीम रूप धरि असुर संहारे। रामचंद्र के काज संवारे।।
लाय सजीवन लखन जियाये। श्रीरघुबीर हरषि उर लाये।।
रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई। तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई।।
सहस बदन तुम्हरो जस गावैं। अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं।।
सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा। नारद सारद सहित अहीसा।।
जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कबि कोबिद कहि सके कहां ते।।
तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा। राम मिलाय राज पद दीन्हा।।
तुम्हरो मंत्र बिभीषन माना। लंकेस्वर भए सब जग जाना।।
जुग सहस्र जोजन पर भानू। लील्यो ताहि मधुर फल जानू।।
प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं। जलधि लांघि गये अचरज नाहीं।।
दुर्गम काज जगत के जेते। सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते।।
राम दुआरे तुम रखवारे। होत न आज्ञा बिनु पैसारे।।
सब सुख लहै तुम्हारी सरना। तुम रक्षक काहू को डर ना।।
आपन तेज सम्हारो आपै। तीनों लोक हांक तें कांपै।।
भूत पिसाच निकट नहिं आवै। महाबीर जब नाम सुनावै।।
नासै रोग हरै सब पीरा। जपत निरंतर हनुमत बीरा।।
संकट तें हनुमान छुड़ावै। मन क्रम बचन ध्यान जो लावै।।
सब पर राम तपस्वी राजा। तिन के काज सकल तुम साजा।
और मनोरथ जो कोई लावै। सोइ अमित जीवन फल पावै।।
चारों जुग परताप तुम्हारा। है परसिद्ध जगत उजियारा।।
साधु-संत के तुम रखवारे। असुर निकंदन राम दुलारे।।
अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता। अस बर दीन जानकी माता।।
राम रसायन तुम्हरे पासा। सदा रहो रघुपति के दासा।।
तुम्हरे भजन राम को पावै। जनम-जनम के दुख बिसरावै।।
अन्तकाल रघुबर पुर जाई। जहां जन्म हरि-भक्त कहाई।।
और देवता चित्त न धरई। हनुमत सेइ सर्ब सुख करई।।
संकट कटै मिटै सब पीरा। जो सुमिरै हनुमत बलबीरा।।
जै जै जै हनुमान गोसाईं। कृपा करहु गुरुदेव की नाईं।।
जो सत बार पाठ कर कोई। छूटहि बंदि महा सुख होई।।
जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा। होय सिद्धि साखी गौरीसा।।
तुलसीदास सदा हरि चेरा। कीजै नाथ हृदय मंह डेरा।।

श्री हनुमान जन्मोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950